आषाढ़ कृष्ण पक्ष- 1-2, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 356 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
01 जुलाई 2026 बुधवार

आज का मौसम
30.5 अधिकतम
22.2 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

राम मंदिर चढ़ावा चोरी... डेढ़ साल पहले अयोध्या आया आरोपी आउटसोर्स कर्मचारी था

आरोपी अविनाश शुक्ला के घर मिली पेटीएम का क्यूआर कोड लगी दान पेटी

आरोपियों से जेल में हुई पूछताछ, दावा - बाहर ले जाने से पहले बाथरूम में छिपाई जाती थी चोरी की राशि

लखनऊ/अयोध्या, एजेंसी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच जैसे जैसे आगे बढ़ रही है वैसे वैसे इस मामले में कई चौकाने वाले खुलासे हो रहे है। सूत्रों के मुताबिक इस मामले में गिरफ्तार आरोपी अविनाश शुक्ला से मंगलवार को जेल के अंदर करीब तीन घंटे तक पूछताछ की गई और उसके बयान दर्ज किए गए।

अविनाश ही वह शख्श है जिसके पास से सबसे ज्यादा राशि बरामद हुई है। यही नहीं वह जिस किराए के कमरे में रह रहा था, वहां से एक संदूक भी बरामद हुई है, जिस पर राम राज्य कोष लिखा हुआ है। साथ ही उस पर पेटीएम का बार कोड भी लगा हुआ है।

सवाल यह है कि जो संदूक श्रद्धालुओं की दान राशि के लिए मंदिर में था, वह अविनाश के घर कैसे आया। अयोध्या पुलिस ने आरोपियों से जेल में पूछताछ करने के लिए अदालत से अनुमति मांगी थी। इस पूछताछ के केंद्र में सिर्फ अविनाश शुक्ला ही रहा। सूत्रों के मुताबिक अविनाश शुक्ला भी अनुकल्प मिश्रा और लवकुश मिश्रा की तरह आउटसोर्स कर्मचारी था। इसके बावजूद उसके पास से सबसे ज्यादा नकदी मिलने से पुलिस को कई सवालों के जवाब तलाशने थे। पूछताछ के दौरान पुलिस ने ये जानने की कोशिश की कि उसने इतनी बड़ी रकम कैसे चुराई। पैसा उसे किसी ने दिया या इस वारदात में और कौन-कौन लोग शामिल थे।

सूत्रों का कहना है कि अविनाश से मिली जानकारी के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जाएगा।

इधर , प्रतापगढ़ के रहने वाले अविनाश के कमरे से एक संदूक बरामद होने के बाद मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। संदूक पर राम राज्य कोष लिखा हुआ है और पेटीएम का बार कोड भी लगा हुआ है। ऑनलाइन दान देने के लिए यह बार कोड लगा हुआ था। बक्से पर ताला लगा था। बताया जा रहा है कि दान चोरी के 5 लाख रुपये भी इसी कमरे से बरामद हुए थे। वह जिस योग केंद्र में अपने भाई अभिषेक शुक्ला के साथ रहता था, उस योग केंद्र की योगाचार्य सीमा तिवारी ने बताया कि अविनाश को चंपत राय ने ही रखवाया था। । कहा जा रहा है कि अविनाश राम मंदिर दान राशि में से गबन का पैसा बक्से में रखता था। पुलिस ने 5 जून को अविनाश के किराए के मकान से 20 लाख रुपये रिकवर किये थे। उसकी श्याम साधनालय में अभिषेक के भाई के तौर पर पहचान थी। डेढ़ साल पहले अविनाश अयोध्या आया था। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अभिषेक ने अविनाश की राम मंदिर ट्रस्ट में नौकरी लगवाई थी।

आरोपियों के खातों की मांगी जानकारी

पुलिस ने बैंक ऑफ बड़ौदा से जिन खातों का विवरण मांगा है उनमें आरोपी अविनाश शुक्ला, मनीष यादव और सुप्रिया मिश्रा के नाम शामिल हैं। बैंक ने जवाब में बताया कि अविनाश शुक्ला और मनीष यादव के नाम से खाते मौजूद हैं, जबकि सुप्रिया मिश्रा के नाम से इस शाखा में कोई खाता नहीं मिला। सूत्रों के मुताबिक, मनीष यादव के खाते में फिलहाल करीब 1,400 रुपये की राशि दर्ज है और पिछले कुछ महीनों से उसमें कोई विशेष लेनदेन नहीं हुआ । पुलिस अब दूसरे बैंकों और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कथित चोरी की रकम कहीं अन्य माध्यमों से तो नहीं पहुंचाई गई।

एक व्यक्ति रकम निकालता, बाकी घेरा बना लेते थे

पूछताछ में सामने आया सबसे चौंकाने वाला दावा चोरी के कथित तरीके को लेकर है। सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों ने पुलिस को बताया कि दान राशि निकालने का काम एक व्यक्ति करता था, जबकि बाकी लोग उसके चारों ओर इस तरह खड़े हो जाते थे कि बाहर से किसी को शक न हो। इससे कैमरों या अन्य कर्मचारियों की नजर सीधे उस व्यक्ति तक नहीं पहुंचती थी। दावा है कि रकम निकालने के बाद उसे तत्काल बाहर नहीं ले जाया जाता था। पहले उसे मंदिर परिसर के बाथरूम में छिपा दिया जाता था. इसके बाद अनुकूल मौका मिलने पर उसे परिसर से बाहर पहुंचाया जाता था।

ट्रस्ट के भीतर की राजनीति या व्यवस्था की चूक?

किसी भी बड़े संस्थान की सबसे बड़ी परीक्षा संकट के समय होती है। रामलला मंदिर ट्रस्ट के सामने भी आज वही चुनौती है। सवाल केवल यह नहीं है कि कथित अनियमितता कैसे हुई, बल्कि यह भी है कि ऐसी स्थिति पैदा होने की संस्थागत गुंजाइश कैसे बनी। यदि किसी सीमित समूह को दानराशि की गिनती जैसी अत्यंत संवेदनशील जिम्मेदारी सौंपी गई थी, तो उस व्यवस्था की निगरानी किसके अधीन थी? क्या नियमित ऑडिट, क्रॉस-वेरिफिकेशन और स्वतंत्र पर्यवेक्षण जैसी व्यवस्थाएँ पर्याप्त थीं? एसआईटी की जांच को केवल कथित चोरी तक सीमित न रहकर इन प्रशासनिक प्रश्नों के उत्तर भी तलाशने होंगे।

इसी बीच एक और चर्चा ने जोर पकड़ा है - क्या ट्रस्ट के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया को लेकर मतभेद पहले से मौजूद थे? यदि थे, तो क्या इस प्रकरण ने उन मतभेदों को सार्वजनिक रूप दे दिया? इन प्रश्नों के उत्तर भी समय के साथ सामने आएंगे। सार्वजनिक जीवन में यह सिद्धांत हमेशा लागू होना चाहिए कि किसी भी व्यक्ति की जिम्मेदारी जांच के निष्कर्षों से तय हो, न कि आरोपों या राजनीतिक धारणाओं से। लेकिन इसके समानांतर यह भी उतना ही आवश्यक है कि जिन लोगों के पास संस्थागत जिम्मेदारी थी, वे अपनी भूमिका और निर्णयों पर खुलकर स्पष्टीकरण दें।

दोपहर मेट्रो पड़ताल
● राजेश सिरोठिया
अयोध्या कांडः पार्ट- 2

राम मंदिर आंदोलन का सबसे बड़ा आधार जनविश्वास था। इसलिए ट्रस्ट के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती केवल प्रशासनिक नहीं, नैतिक भी है। श्रद्धालु यह जानना चाहते हैं कि भविष्य में ऐसी किसी आशंका की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कौन-से ठोस कदम उठाए जाएंगे। यदि इस पूरे घटनाक्रम से कोई सकारात्मक निष्कर्ष निकल सकता है, तो वह यही है कि देश के सभी बड़े धार्मिक ट्रस्टों में वित्तीय पारदर्शिता, डिजिटल ट्रैकिंग, स्वतंत्र ऑडिट और जवाबदेही की नई व्यवस्था लागू हो। यही इस संकट का सबसे सार्थक उत्तर होगा।

न्यूज विंडो

सिक्किम से ISIS से जुड़ा संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

गंगटोक। दिल्ली पुलिस ने गंगटोक से आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट से जुड़े होने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपित का नाम मोहम्मद अर्जू है। गंगटोक सदर थाना पुलिस के सहयोग से उसे नामनांग से गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ग्रुप ऑफ इस्लामिक मेंबर्स नामक इंस्टाग्राम समूह का इस्तेमाल कथित तौर पर आतंकी विचारधारा फैलाने, नए सदस्यों की भर्ती करने और इस्लामिक स्टेट से जुड़े प्रचार-प्रसार के लिए किया जा रहा था। आरोपित इसी ग्रुप से जुड़ा पाया गया है। इस सूचना पर पुलिस ने नामनांग रोड स्थित एक मकान पर छापेमारी की। छापे के दौरान एक ही परिवार के छह सदस्यों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया।

कोरियोग्राफर बॉस्को लेस्ली मार्टिस अस्पताल में भर्ती

मुंबई। बॉलीवुड कोरियोग्राफर बॉस्को लेस्ली मार्टिस काफी दिनों से अस्वस्थ हैं। उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार उन्हें सीने में जकड़न और बेचैनी महसूस होने के बाद तुरंत अस्पताल ले जाया गया। खबरों के मुताबिक डॉक्टर से सलाह लेने के बाद एहतियात के तौर पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इंडिगो के सीएचआरओ पसरीचा का इस्तीफा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (सीएचआरओ) सुखजीत सिंह पसरीचा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। दिसंबर, 2025 में बड़े पैमाने पर परिचालन में आए व्यवधान के बाद कई शीर्ष स्तर के अधिकारियों ने इंडिगो से इस्तीफा दे दिया था और इसी में अब पसरीचा ने भी पद छोड़ दिया है। कंपनी के अनुसार, पसरीचा लगभग आठ वर्षों से अधिक समय से कंपनी से जुड़े हुए थे। उनके स्थान पर कंवल जीत सिंह बख्शी को नियुक्त किया है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बड़ा हादसा

जयपुर: ट्रक से टक्कर के बाद बस में लगी आग, आठ लोगों की मौत

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर आज तड़के हरिद्वार से इंदौर जा रही एक प्राइवेट स्लीपर बस खाली ट्रॉली ट्रक से टकराकर खाई में गिर गई, जिसके बाद बस में भीषण आग लग गई। हादसे में आठ यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 24 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना कोलवा थाना क्षेत्र में तड़के करीब 3:30 बजे हुई। जांच में ओवरटेक की कोशिश के दौरान टक्कर होने की आशंका जताई गई है। अधिकांश यात्री सो रहे थे, जिससे उन्हें संभलने का मौका नहीं मिला। सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और राहत दल मौके पर पहुंचे तथा स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर बस-कार की टक्कर, 5 की मौत

उन्नाव। यूपी के उन्नाव जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर आज सुबह तेज रफ्तार स्लीपर बस कार से टकराने के बाद डिवाइडर तोड़ते हुए खंती में पलट गई। हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर घायलों को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है। बस में सवार 17 से अधिक यात्री भी घायल हुए हैं। दुर्घटना बांगरमऊ क्षेत्र के देवखरी गांव के पास हुई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन ने राहत-बचाव अभियान चलाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

आज से भारत दौरे पर जापान की पीएम सनाए तकाइची

नई दिल्ली। जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची आज से भारत के तीन दिवसीय दौरे पर आ रही हैं। इस दौरान उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से होगी। दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने, सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) को अधिक सुरक्षित बनाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर मुख्य रूप से चर्चा होने की संभावना है। 2 जुलाई को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री तकाइची के बीच शिखर वार्ता होगी। इसके अलावा जापानी प्रधानमंत्री भारत-जापान संयुक्त आर्थिक मंच में भी हिस्सा लेंगी।

दो साल बाद नायरा एनर्जी ने घटाए दाम पेट्रोल 5 और डीजल 3 रुपए हुआ सस्ता

नईदिल्ली, एजेंसी

देश की प्रमुख निजी ईंधन रिटेलर नायरा एनर्जी ने पेट्रोल की कीमत में 5 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 3 रुपए प्रति लीटर की कटौती कर उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। नई दरें कंपनी के देशभर में मौजूद 7,000 से अधिक फ्यूल स्टेशनों पर तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। दो वर्षों से अधिक समय में किसी भी ईंधन कंपनी द्वारा रिटेल कीमतों में की गई यह पहली बड़ी कटौती है। कंपनी ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और पश्चिम एशिया में तनाव कम होने को इसकी प्रमुख वजह बताया है। हालांकि, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सरकारी तेल कंपनियों ने फिलहाल अपने दामों में कोई बदलाव नहीं किया है।

कमर्शियल सिलेंडर पर 183.50 रुपए की कटौती

सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 183.50 रुपये तक की कटौती कर कारोबारियों को बड़ी राहत दी है। नई दिल्ली में 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर अब 2,930 रुपये में मिलेगा, जबकि लखनऊ, कोलकाता और पटना समेत अन्य शहरों में भी कीमतें घटी हैं। वर्ष 2026 में पहली बार कमर्शियल गैस के दाम कम किए गए हैं। इससे पहले जनवरी से जून तक सिलेंडर लगातार महंगा होता रहा था। वहीं, घरेलू 14.2 किलो एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

भारत बनाम इंग्लैंड पहला टी-20 मैच आज, वैभव के डेब्यू पर सस्पेंस

नईदिल्ली, एजेंसी

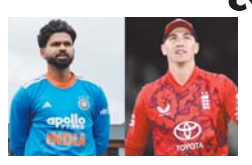

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला आज इंग्लैंड के चेस्टर ली स्ट्रीट में खेला जाएगा। मुकाबले पर बारिश का साया भी है। यहां करीब 80% बारिश की संभावना जताई गई है। आयरलैंड के खिलाफ 2-0 से सीरीज गंवाने के बाद श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली भारतीय टीम जीत के साथ नए अभियान की शुरुआत करना चाहेगी। सीरीज से पहले सबसे ज्यादा चर्चा 15 साल के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी के इंटरनेशनल डेब्यू को लेकर हो रही है। मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने उनके डेब्यू के सवाल पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। मैच भारतीय समयानुसार रात 10 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस 9:30 बजे होगा। **मैच का लाइव प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के चैनल पर और लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप पर।**

होर्मुज हमारी बड़ी ताकत पीछे नहीं हटेंगे : ईरान

तेहरान। ईरान ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट उसकी सबसे बड़ी ताकत है और इस पर उसका अधिकार बना रहेगा। ईरानी संसद स्पीकर मोहम्मद बाकर गालीबाफ ने कहा कि अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन में समुद्री सेवाओं के टोल में 60 दिनों की छूट सिर्फ अस्थायी व्यवस्था है। ईरानी सरकारी मीडिया से बातचीत में गालीबाफ ने कहा कि होर्मुज ईरान के क्षेत्रीय जल का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका यह कहकर विवाद पैदा नहीं कर सकता कि ईरान ने इस स्ट्रेट का सैन्यीकरण कर दिया है। गालीबाफ ने कहा, ईरान होर्मुज स्ट्रेट पर अपना अधिकार नहीं छोड़ेगा।

मेट्रो एंकर

जेट एयरवेज मामले में नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल का बड़ा फैसला

कंपनी बंद या दिवालिया हुई तो भी पीएफ और ग्रेच्युटी कर्मचारियों का हक

नईदिल्ली, एजेंसी

दिवालिया मामलों को लेकर नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने एक बेहद महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। ट्रिब्यूनल ने कहा है कि अगर कोई नियोक्ता या कंपनी अपने कर्मचारियों के लिए अलग से पीएफ और ग्रेच्युटी फंड मेंटेन नहीं भी करती है, तो भी कंपनी बंद या दिवालिया होने पर उससे जुड़े कर्मचारियों को उनका पीएफ और ग्रेच्युटी का पूरा पैसा मिलेगा।

ट्रिब्यूनल ने जेट एयरवेज के सैकड़ों पूर्व कर्मचारियों के इन कानूनी बकाया को एयरलाइन की लिक्विडेशन एस्टेट (संपत्ति) से अलग पाने के अधिकार को सुरक्षित रखते हुए एसबीआई और अन्य फाइनेंशियल क्रेडिटर्स की अपीलों को खारिज कर दिया।

दरअसल, यह विवाद नवंबर 2024 में शुरू हुआ, जब जलान-फ्रिट्श कंसोर्टियम का रेजोल्यूशन प्लान फेल होने के बाद जेट एयरवेज लिक्विडेशन में चली गई। इसमें काम करने वाले कर्मचारियों का तर्क था कि उनका फैसले में कहा गया कि कर्मचारी अपना पूरा प्रोविडेंट फंड और ग्रेच्युटी का बकाया पाने के हकदार हैं, भले ही उनके एम्प्लॉयर ने प्रोविडेंट फंड और ग्रेच्युटी के लिए अलग अकाउंट न बनाए हों। इसे कंपनी की परिसमापन संपत्ति का हिस्सा नहीं माना जाएगा और कर्मचारियों को इसका भुगतान करना होगा।

नवंबर 2024 में शुरू हुआ विवाद

प्रोविडेंट फंड और ग्रेच्युटी का बकाया इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) की धारा 36 (4) (ए) (आईआईआई) के तहत लिक्विडेशन एस्टेट का हिस्सा नहीं होना चाहिए। लेकिन लेंडर्स का कहना था कि ऐसी सुरक्षा तभी लागू होती है जब लिक्विडेशन शुरू होने की तारीख पर अलग प्रोविडेंट फंड या ग्रेच्युटी फंड मौजूद हों। लेंडर्स की दलील को खारिज करते हुए, एनसीएलएटी ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के फरवरी के उस आदेश को बरकरार रखा जिसमें लिक्विडेटर को लिक्विडेशन एस्टेट से बाहर यह बकाया चुकाने का निर्देश दिया गया था।

अलग निपटेंगे वेतन के दावे

एनसीएलएटी ने फैसला सुनाते हुए कहा, 'लिक्विडेटर कर्मचारियों को प्रोविडेंट फंड और ग्रेच्युटी का बकाया चुकाने के लिए जिम्मेदार है, जैसा कि एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड्स एंड मिसलेनियस प्रोविजन्स एक्ट, 1952 और पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के प्रावधानों के तहत देय है। ऐसा बकाया लिक्विडेशन एस्टेट का हिस्सा नहीं होगा। हालांकि, ट्रिब्यूनल ने कर्मचारियों की उस मांग को अस्वीकार कर दिया, जिसमें जनवरी से मार्च 2019 तक के वेतन बकाये के लिए डिप्टी लेबर कमिश्नर द्वारा जारी रिकवरी सर्टिफिकेट को लिक्विडेशन एस्टेट से बाहर रखने को कहा गया था। ट्रिब्यूनल ने कहा कि वेतन के इन दावों को कर्मचारियों के बकाये पर लागू होने वाले आईबीसी के वॉटरफॉल मैकेनिज्म के तहत निपटाया जाना चाहिए।

आज का कार्टून

बदहाल हुई बैरागढ़ की सड़कें, सीटीओ कॉलोनी और रेलवे क्रॉसिंग क्षेत्र में बढ़ी परेशानी

भोपाल। बैरागढ़ क्षेत्र में स्थित सीटीओ कॉलोनी और रेलवे क्रॉसिंग के आसपास की सड़कों की हालत लगातार खराब होती जा रही है। हाल ही में हुई बारिश के बाद सड़कें बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो गई हैं, जिससे स्थानीय रहवासियों, वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश का पानी सड़कों पर भर जाने से गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिसके कारण दोपहिया वाहन चालक आए दिन दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं। क्षेत्र के नागरिकों का कहना है कि सड़क की खराब स्थिति लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सीटीओ कॉलोनी के पास मुख्य मार्ग पर जगह-जगह उखड़ी सड़कें और जलभराव की स्थिति लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। वहीं रेलवे क्रॉसिंग के आसपास भी सड़कें पूरी तरह जर्जर हो चुकी हैं। सुबह और शाम के समय यहां भारी यातायात रहता है, जिसके चलते जाम की स्थिति भी निर्मित हो रही है। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया है कि हर वर्ष बारिश के मौसम में यही हालात बनते हैं, लेकिन मरम्मत कार्य केवल खानापूर्ति तक सीमित रहता है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही सड़कों की मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता। क्षेत्रवासियों ने नगर निगम और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि बारिश के दौरान होने वाली परेशानियों को देखते हुए सीटीओ कॉलोनी और रेलवे क्रॉसिंग क्षेत्र की सड़कों का तत्काल सुधार कार्य कराया जाए, ताकि नागरिकों को राहत मिल सके।

पर्याप्त व्यवस्था और अंग्रेजी माध्यम की नियमित कक्षाएं शुरू नहीं हो सकीं

सांदीपनि विद्यालयों से नाम कटवा रहे छात्र यहां न किताबें पहुंचीं, न प्राथमिक शिक्षक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी सांदीपनि विद्यालय योजना का उद्देश्य सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण और अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा उपलब्ध कराना है। इसके तहत प्रदेश के 275 सरकारी विद्यालयों का चयन किया गया है, जिनमें राजधानी के आठ विद्यालय भी शामिल हैं। हालांकि योजना के क्रियान्वयन में कई समस्याएं सामने आ रही हैं। कहीं भवन की कमी है तो कहीं अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई शुरू नहीं हो पाई है। सबसे अधिक परेशानी सांदीपनि विद्यालय महात्मा गांधी में देखने को मिल रही है। विद्यालय में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा की उम्मीद लेकर बड़ी संख्या में निजी स्कूलों से विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया था, लेकिन सत्र शुरू होने के बाद भी अपेक्षित व्यवस्था नहीं बन पाने से अभिभावक निराश हैं। अंग्रेजी माध्यम की नियमित पढ़ाई नहीं होने के कारण कई विद्यार्थी नाम कटवाने लगे हैं। हालांकि कई सांदीपनि विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम की सीटें खाली रह गई है। सांदीपनि विद्यालयों के प्राचार्यों का कहना है कि सांदीपनि विद्यालयों के लिए शिक्षकों का चयन परीक्षा के आधार पर किया गया है और उन्हें अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाने की

जिम्मेदारी निभानी होगी।

कक्षाओं में शिक्षकों का टोटा

विद्यालय में प्राथमिक कक्षाओं के लिए शिक्षकों की भारी कमी बनी हुई है। स्कूल प्रबंधन द्वारा कई बार विभाग को पत्र लिखकर अतिरिक्त शिक्षकों की मांग की गई है, लेकिन अब तक न तो नियमित नियुक्ति हुई है और न ही अतिथि शिक्षकों की व्यवस्था की जा सकी है। इसका सीधा असर विद्यार्थियों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। सांदीपनि विद्यालयों में पहली से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी माध्यम की पाठ्य पुस्तकें भी अब तक उपलब्ध नहीं हो सकी हैं। शिक्षकों का कहना है कि पुस्तकें नहीं मिलने और पाठ्यक्रम पूरी तरह स्पष्ट नहीं होने के कारण अध्यापन कार्य प्रभावित हो रहा है। इससे विद्यार्थियों का शैक्षणिक सत्र शुरुआती दौर में ही पिछड़ने लगा है।

जिला शिक्षा अधिकारी नरेन्द्र अहिवार ने बताया कि जितने सेट आए हुए थे। उनकी किताबें स्कूलों तक अप्रैल के प्रथम में ही भेज दी गई थीं। कुछ किताबें शेष हैं, जो आएंगी तो तत्काल बच्चों को उपलब्ध कराई जाएगी।

भवन तोड़ने के आदेश के बाद दो पालियों में लगेगा स्कूल

विद्यालय की एक और बड़ी समस्या भवन को लेकर सामने आई है। माध्यमिक कक्षाओं के भवन को तोड़ने के लिए विभागीय आदेश जारी हो चुके हैं। इसके चलते पहली बार विद्यालय को दो पालियों में संचालित करने की तैयारी की गई है। पहली पाली सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित होगी, जिसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों की पढ़ाई होगी। वहीं दूसरी पाली दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी, जिसमें माध्यमिक कक्षाओं का संचालन किया जाएगा।

चोरी होने के बाद गिरिबाला ने मांगी निरीक्षण के लिए घर जाने की अनुमति

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने विरोध जताया, उसे प्रकरण से जुड़ा नहीं बताया

आरोपी मां-बेटे की आवाज के नमूने लेने जांच एजेंसी ने आवेदन लगाया

न्यायालय ने तीन दिन बाद की तारीख दी, न्यायिक अभिरक्षा में तीसरी बार जेल भेजा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पूर्व न्यायाधीश गिरिबाला सिंह और उनके पुत्र समर्थ सिंह को न्यायिक अभिरक्षा में 14 जुलाई तक जेल में रहने के आदेश हुए हैं। यह तीसरा अवसर है जिसमें उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में रहने कहा गया है। इससे पहले मां-बेटे ने चोरी के मामले में संपत्ति और सामान की घर जाकर निरीक्षण की अनुमति मांगी थी। इस मांग पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आपत्ति जताई। दोनों पक्षों की सुनवाई दृश्य-श्रव्य माध्यम से हुई।

जानकारी के अनुसार दहेज हत्या, प्रताड़ना के प्रकरण में 28 मई से गिरफ्तार मां-बेटे का मामला

न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी आरसी आर्या की न्यायालय में सुना गया। मां-बेटे गांधी नगर स्थित केंद्रीय जेल के दृश्य-श्रव्य कक्ष में मौजूद होकर सुनवाई में शामिल हुए। सीबीआई की तरफ से न्यायालय में बताया गया कि पूर्व अभिनेत्री ट्विशा शर्मा की आत्महत्या मामले में लैपटॉप का परीक्षण करना है। उसे खोलने के लिए पासवर्ड की आवश्यकता है जो अभिनेत्री के पति समर्थ सिंह को ज्ञात है। इसके अलावा जांच के लिए गिरिबाला सिंह और उनके पुत्र की आवाज के नमूने लेना आवश्यक है। न्यायालय ने इस संबंध में 3 जुलाई की तिथि सुनवाई के लिए नियत की गई। सीबीआई की इस मांग पर विरोध या कारण मांगने को लेकर तीन दिन विचार करने के लिए पूर्व न्यायाधीश और उनके पुत्र को समय दिया गया है। इन दोनों मांगों से साफ है कि जांच एजेंसी के पास अभी तक कोई भौतिक सबूत नहीं मिला है। जिस कारण वह डिजीटल साक्ष्य जुटाकर प्रकरण को साबित करने के प्रयासों में जुटी हुई है।

इसके अलावा न्यायालय में मां-बेटे ने 27-28 जून की दरमियानी रात हुई चोरी के मामले में निरीक्षण की अनुमति चाही गई। जिस पर सीबीआई ने आपत्ति जताई। जांच एजेंसी की तरफ से कहा गया है कि वह दूसरा विषय है इस मामले से उसका कोई लेना-देना नहीं हैं। महत्वपूर्ण तथ्य और विवेचना जारी है। जिस कारण अनुमति जारी होने वे वह प्रभावित हो सकती है। दरअसल, गिरिबाला सिंह के निजी निवास में हुई चोरी का मामला उनके भाई सेवानिवृत्त कर्नल रणवीर सिंह की तरफ से दर्ज कराया गया है। जिसमें चोरी गई संपत्ति और उसकी जानकारी जेल में बंद बहन और भांजे को होने की जानकारी पुलिस से बताई गई है। सीबीआई पेशी से दो दिन पूर्व हुई इस चोरी के मामले को संदिग्ध मान रही है।

जागरुकता के लिए सत्र होगा आयोजित

एम्स में बताया जाएगा कब, कितना और कैसे खाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अनियमित खानपान और बढ़ती जीवनशैली संबंधी बीमारियों के बीच एम्स भोपाल का हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर आज से को एकाग्र चित्त होकर भोजन के अभ्यास (माइंडफुल ईटिंग प्रैक्टिस) को

लेकर सत्र आयोजित करेगा। इस सत्र का उद्देश्य लोगों में सजगता के साथ भोजन की आदत विकसित करना और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रतिभागियों को भोजन को समझकर, धीरे-धीरे और शरीर की जरूरत के अनुसार खाने की तकनीकों की जानकारी देंगे।सत्र के दौरान गाइडेड प्रैक्टिस के माध्यम से प्रतिभागियों को भूख और पेट भरने के प्राकृतिक संकेतों को पहचानने, अनावश्यक भोजन से बचने तथा स्वस्थ खानपान व्यवहार अपनाने के व्यावहारिक तरीके सिखाए जाएंगे। एम्स का मानना है कि माइंडफुल ईटिंग की आदत से लोग लंबे समय तक बेहतर स्वास्थ्य और संतुलित जीवनशैली बनाए रख सकते हैं।

आरोग्य केन्द्र में 10 दिवसीय रोग निवारण-प्रशिक्षण शिविर

आरोग्य केंद्र में भोजन, योग से होता है शारीरिक व डिजिटल डिटॉक्स: टेवानी

संतनगर, दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केंद्र में दस दिवसीय 'रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर' का शुभारंभ हुआ, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए साधक प्राकृतिक व आयुर्वेदिक चिकित्सा, योग, फिजियोथेरेपी, एक्यूप्रेशर और पोटली मसाज के जरिए स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

शिविर के पहले दिन डॉ. गुलाब राय टेवानी ने व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि आरोग्य केंद्र संतजी की पावन कुटिया के समान है, जिसका उद्देश्य शरीर की शुद्धि और स्वास्थ्य की रक्षा है। स्वस्थ जीवन के लिए अस्वस्थ दिनचर्या को बदलना अनिवार्य है। उन्होंने कहा, 'हम पके हुए भोजन से जीवित तो रह सकते हैं, लेकिन पूरी तरह स्वस्थ नहीं रह सकते। बीमारी से परमानेंट मुक्ति के लिए अपक्व आहार और प्राकृतिक चिकित्सा को अपनाना होगा।' शरीर से गंदगी बाहर निकालने के चार रास्ते हैं- मल, मूत्र, पसीना और श्वास। इसमें एनिमा, उपवास और ग्रीन जूस बेहद मददगार हैं। शिविर में साधकों को मानसिक और शारीरिक शुद्धि के साथ-साथ 'डिजिटल डिटॉक्स' भी कराया जा रहा है, जहाँ उन्हें मोबाइल, लैपटॉप आदि से दूर रहकर सकारात्मक सोच अपनाने की कला सिखाई जा रही है। आरोग्य केंद्र ने समाज को जागरूक करने के लिए इस बार एक नई पहल की है। दस दिवसीय शिविर के साथ 'हेल्थ प्रमोटर सर्टिफिकेट कोर्स' भी शुरू किया गया है।

निगम के सहयोग से 21 बावड़ियों और 53 कुओं का किया जीर्णोद्धार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत भोपाल नगर निगम ने शहर की 21 प्राचीन बावड़ियों और 53 कुओं की सफाई, जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कराया। अभियान के दौरान जल संरचनाओं से करीब 200 डंपर गाद-मिट्टी और 300 डंपर कचरा हटाया गया। अभियान का जिला स्तरीय समापन समारोह कलियासोत बांध क्षेत्र में आयोजित हुआ, जहां पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, महापौर श्रीमती मालती राय और निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया।

समारोह में श्रीमती गौर ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी का विषय है, इसे सामाजिक संस्कार के रूप में अपनाने की जरूरत है। महापौर ने कहा कि निगम शहरवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल गुणवत्ता की नियमित जांच करा रहा है,बड़े स्तर पर पौधरोपण अभियान भी चलाया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से जल स्त्रोतों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

मेट्रो एंकर राज्य मेरिट में आईं छात्राओं को 51 हजार और जिला मेरिट छात्रा को 21 हजार की प्रोत्साहन राशि दी

शिक्षा का उद्देश्य संस्कार और नैतिक मूल्यों का विकास: सिद्धभाऊ

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का विकास करना है। आज सम्मानित होने वाली बेटियाँ अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं और वे भविष्य में अपने परिवार, विद्यालय और समाज का नाम और अधिक गौरवान्वित करेंगी। यह विचार शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी के अध्यक्ष सिद्ध भाऊजी ने व्यक्त किए। वे गांधीनगर स्थित चिल्ड्रन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल के सत्र 2025-26 के 'शैक्षणिक उत्कृष्टता सम्मान समारोह' में बोल रहे थे। कार्यक्रम में मेधावी छात्राओं की उपलब्धियों का अभिनंदन किया गया। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को नकद राशि और प्रमाण-पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। मप्र बोर्ड की मेरिट सूची में गार्गी जैन, सिमरा जमील एवं अनन्या शर्मा को जीव

सेवा संस्थान की ओर से 51,000-51,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। भोपाल की जिला मेरिट सूची में आई गाथा जैन को 21,000 की नकद राशि से सम्मानित किया गया। शाला स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को भी प्रबंधन द्वारा प्रमाण-पत्र और ,पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारमानी ने कहा कि विद्यालय का प्रत्येक विद्यार्थी अपने उत्कृष्ट आचरण, संस्कार और अनुशासन से समाज में ऐसी पहचान बनाए कि वह जहाँ भी जाए, सोसायटी का सशक्त प्रतिनिधि दिखे। वहीं, सोसायटी के सचिव घनश्याम बूलचंदानी ने सभी मेधावी छात्राओं को बधाई देते हुए जीवन में नई ऊँचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की प्राचार्या प्रिया जैन ने कहा कि शैक्षणिक उत्कृष्टता केवल उच्च अंक लाना नहीं, बल्कि निरंतर परिश्रम, समर्पण और सकारात्मक सोच का परिणाम है। इस अवसर पर छात्राओं ने अपने शिक्षकों के सम्मान में समूह नृत्य और आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं।

'आदित्य संस्कृति' पत्रिका के विशेषांक का लोकार्पण आज

भोपाल। साहित्य संस्कृति एवं समाज सेवा को समर्पित 'आदित्य संस्कृति' मासिक पत्रिका के जून -2026 में प्रकाशित डॉ.विकास दवे व्यक्तित्व एवं कृतित्व विशेषांक का लोकार्पण आज शाम 5 बजे दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय के राज सभागार में आयोजित किया जा रहा है। इस अंक में देश और प्रदेश के ख्यातिनाम साहित्यकारों - पत्रकारों ने डॉ.दवे के बारे में गद्य एवं पद्य में अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। इस आयोजन की अध्यक्षता ऋषि कुमार मिश्रा निदेशक मुक्तिबोध सृजन पीठ करेंगे और रघुनंदन शर्मा पूर्व सांसद एवं संचालक मानस भवन भोपाल मुख्य अतिथि होंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ.नुसरत मेहदी निदेशक उर्दू अकादमी, दिनेश प्रभात गीतकार एवं संपादक - गीत गागर ,श्रीमती कांता रॉय निदेशक लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल एवं भानु शर्मा संपादक 'आदित्य संस्कृति' रहेंगे। पत्रिका परिचय वरिष्ठ साहित्यकार घनश्याम मैथिल अमृत प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम का संचालन और संयोजन वरिष्ठ पत्रकार जगत शर्मा द्वारा किया जाएगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तीसरे चरण का समापन , सीएम का संकल्प- जारी रहेगा अभियान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जल ही जीवन और सृष्टि का आधार है। प्रकृति का उद्भव जल से हुआ है और सभी जीवों का अस्तित्व इसी पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जल के महत्व को समझते हुए तालाब, बावड़ी और अन्य जल संरचनाओं का निर्माण किया था। आज हमारी जिम्मेदारी है कि इन धरोहरों का संरक्षण करें और आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखें। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में जल संरक्षण का अभियान समापन के बाद भी लगातार जारी रहेगा।कम वर्षा की आशंका के बीच जल संरक्षण रहेगा प्राथमिकता मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में जल संरक्षण और संवर्धन को जन आंदोलन बनाया गया है। मध्यप्रदेश में भी पिछले तीन वर्षों से यह अभियान व्यापक जनभागीदारी के साथ चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अल-नीनो के प्रभाव के कारण सामान्य से कम वर्षा होने का अनुमान है।

एमपी के नाम ऐतिहासिक रिकॉर्ड

देश में पहली बार एक साथ 12 फसलों को मिला GI टैग, स्वाद और कृषि क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश की 12 उद्यानिकी फसलों को जीआइ (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) टैग मिला है। देश में यह पहली बार हुआ, जब एक साथ इतनी संख्या में जीआइ टैग मिला है। इनमें गुना का कुंभराज धनिया, नरसिंहपुर बरमान घाट का बैगन, बैतूल का गजरिया आम, खरगौरी की लाल मिर्च, मांडू की खुरसानी इमली, जबलपुर का मटर, सिवनी का सीताफल, मालवी आलू और गराडू, नरसिंहपुर का गुड़, जबलपुर का सिंघाड़ा, आलीराजपुर का नूरजहां आम, बुरहानपुर का केला, इंदौरी जीरावन, रतलाम के सैलाना की बालम ककड़ी और छतरपुर का पान शामिल है। साथ ही उज्जैन की इमली, आलीराजपुर का अचारी आम, मालवा का सफेद प्याज, झाबुआ का दाल पानिया, मंदसौर का देशी जीरा, बुरहानपुर की जलेबी, अशोक नगर की खिरनी को जीआइ टैग दिलवाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। बता दें कि राज्य सरकार वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है। इसमें अधिक से अधिक फसलों को जीआइ टैग दिलवाने का प्रयास किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 में 20 फसलों को जीआइ टैग मिला था। इस वित्तीय वर्ष में अब तक 16 को मिल चुका है।

मंदसौर के जीरे और बुरहानपुर की जलेबी के लिए भी भेजा गया प्रस्ताव

वर्ष 2030 तक 30 लाख हेक्टेयर में उद्यानिकी खेती का लक्ष्य

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने इसे प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए जरूरी है कि अधिक से अधिक किसान उद्यानिकी फसलों की खेती करें। प्रदेश में अभी 28 लाख हेक्टेयर में उद्यानिकी फसलों की खेती हो रही है। वर्ष 2030 तक 30 लाख हेक्टेयर तक बढ़ाने की कार्ययोजना बनाई गई है।

बेतवा को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए बन रही साइंटिफिक प्लानिंग

भोपाल-रायसेन-विदिशा में सीवेज-उद्योगों का जहरीला पानी रोकने पर नमामि गंगे की तर्ज पर होगा काम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश सरकार नमामि गंगे मिशन के तहत बेतवा नदी के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए बड़े स्तर पर काम शुरू करने जा रही है। सरकार का फोकस केवल नदी की सफाई तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैज्ञानिक और दीर्घकालिक योजना के जरिए पूरे नदी तंत्र को पुनर्जीवित किया जाएगा। इसके लिए भोपाल में अफसरों को ट्रेनिंग देकर पूरे प्रोजेक्ट की प्लानिंग तैयार कराई जा रही है। जिसमें बेतवा नदी के लिए व्यापक डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए इंजीनियर्स को तकनीकी पहलुओं पर जानकारी दी जा रही है।

बेतवा जहां सबसे ज्यादा प्रदूषित वहीं से होगी संरक्षण की शुरुआत मप्र में नमामि गंगे परियोजना से जुड़े अफसरों ने बताया कि बेतवा का उद्गम स्थल भोपाल के पड़ोसी जिले रायसेन के जंगलों में झिरी नामक स्थान पर है। लेकिन बेतवा अपने उद्गम के बाद तीन जिलों में प्रदूषण का शिकार है। भोपाल की कलियासोत नदी और बेतवा का संगम जिस स्थान पर होता है भोजपुर के करीब उस जगह की स्थिति बहुत खराब है। मंडीदीप के पास पूरी बेतवा नदी जलकुंभी तब्दील हो गई है। ऐसे में भोपाल, रायसेन और विदिशा तीनों जिलों में बेतवा के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए काम किया जा रहा है।

सीवेज ट्रीटमेंट पर सबसे ज्यादा फोकस भोपाल की कलियासोत नदी से लेकर बेतवा नदी में मिलने वाले सीवेज को रोकने और नदी में हो रहे प्रदूषण की रोकथाम के लिए तीनों जिलों के नगरीय निकायों के इंजीनियरों को विशेष रूप से एक्सपर्ट्स के जरिए कैपेसिटी बिल्डिंग की जा रही है। मंडीदीप में उद्योगों का जहरीला पानी बेतवा में मिल रहा मंडीदीप में उद्योगों की स्थापना से लेकर आज तक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित नहीं हो पाया है। ऐसे में उद्योगों से निकलने वाला जहरीला वेस्ट सीधे नदी में मिलता है। इससे नदी के आसपास हो रही खेती में भी जहरीला पानी उपयोग हो रहा है। सरकार की कोशिश है कि बेतवा न केवल साफ स्वच्छ हो बल्कि उसकी धारा अविरल और निर्मल हो सके। अफसरों ने बताया कि नमामि गंगे भारत सरकार का एकीकृत नदी संरक्षण मिशन है, जिसका उद्देश्य गंगा और उसकी सहायक नदियों का संरक्षण, पुनर्जीवन और समग्र विकास सुनिश्चित करना है। मध्यप्रदेश का गंगा बेसिन राज्य के 34 जिलों और 283 शहरी निकायों तक फैला है, जहां चंबल, बेतवा, सिंध, काली सिंध, धसान, केन, क्षिप्रा, गंभीर, टोंस, सोन और पावती जैसी 11 प्रमुख नदियां गंगा तंत्र का हिस्सा हैं।

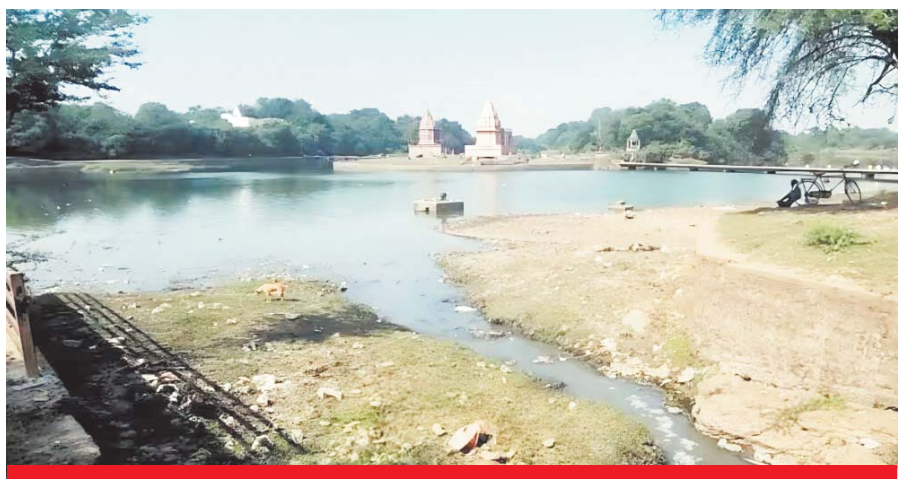

लगातार बढ़ रहा प्रदूषण

टॉकिंग पॉइंट्स में कहा गया है कि बेतवा नदी इस समय अनुपचारित सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट, नदी तटों के क्षरण और पर्यावरणीय प्रवाह में कमी जैसी गंभीर समस्याओं का सामना कर रही है। इन्हीं चुनौतियों को देखते हुए नदी के लिए वैज्ञानिक और टिकाऊ डीपीआर तैयार की जाएगी। सरकार की प्रस्तावित डीपीआर में सिर्फ सीवेज प्रबंधन ही नहीं, बल्कि नदी संरक्षण के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं को शामिल किया जाएगा। इनमें प्रदूषण नियंत्रण, अपशिष्ट जल एवं ठोस कचरा प्रबंधन, पर्यावरणीय प्रवाह बढ़ाना, नदी तटों का पुनर्स्थापन, जैव विविधता संरक्षण, जलग्रहण क्षेत्र का उपचार और जनभागीदारी जैसे विषय प्रमुख रहेंगे।

अधिकारियों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

सरकार का मानना है कि डीपीआर तैयार करने में क्षेत्रीय अधिकारियों की भूमिका सबसे अहम होगी। इसलिए उन्हें डेटा संग्रह, विभिन्न विभागों के समन्वय, हितधारकों से परामर्श और परियोजना क्रियान्वयन की तकनीकी जानकारी देने के लिए यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इससे नमामि गंगे मिशन के लक्ष्यों को समयबद्ध और प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिलेगी। नमामि गंगे मिशन के दूसरे चरण में मध्यप्रदेश को 824.57 करोड़ रुपये की आठ परियोजनाएं स्वीकृत हो चुकी हैं। इनमें इंदौर, उज्जैन और नागदा में सीवेज प्रबंधन, चित्रकूट की मंदाकिनी, मंदसौर की शिवना, ग्वालियर की मुरार नदी से जुड़े कार्य तथा मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की चार प्रयोगशालाओं के सशक्तीकरण की परियोजनाएं शामिल हैं। इन सभी योजनाओं को 100 प्रतिशत केंद्रीय सहायता से लागू किया जा रहा है।

उमंग सिंघार ने सीएम मोहन यादव से मांगा जवाब

जुर्माना बकाया होने के बावजूद खनन माफिया को क्यों पहुंचाया गया फायदा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार पर हमला तेज किया। विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने आरोप लगाया कि लीज-होल्डर्स पर लगभग 305.97 करोड़ रुपए का जुर्माना बकाया होने के बावजूद माइनिंग लीज को रिन्यू किया जा रहा है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिंघार ने आरोप लगाया कि बकाया रकम वसूलने के बजाय राज्य सरकार माइनिंग माफिया की लीज को आगे बढ़ाकर उन्हें फायदा पहुंचा रही है। उन्होंने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच में चल रही कार्यवाही का भी जिक्र किया और कहा कि कोर्ट ने सरकार से एक हफ्ते के अंदर जवाब मांगा है। सिंघार ने आरोप लगाया, ÷मोहन यादव सरकार माइनिंग माफिया के प्रति बहुत ज्यादा नरमी बरतती दिख रही है। राज्य के माइनिंग माफिया पर लगभग 305.97 करोड़ रुपए का जुर्माना बकाया है। फिर भी इन जुर्मानों को वसूलने या कोई कार्रवाई करने के बजाय, सरकार उनके माइनिंग लीज को रिन्यू कर रही है।÷ कांग्रेस नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री, जिनके पास मिनरल रिसोर्स (खनिज संसाधन) विभाग भी है, उन्हें यह बताना चाहिए कि बकाया जुर्माना होने के बावजूद माइनिंग लीज क्यों रिन्यू किए जा रहे हैं।

माइनिंग माफिया पर इतनी नरमी क्यों

उन्होंने मांग की कि सरकार बकाया रकम वसूले और लीज रिन्यूअल की जानकारी सार्वजनिक करे। सिंघार ने एक्स पर लिखा, पहले उज्जैन में जमीन का मामला और अब बकाया 305 करोड़ रुपए वसूले बिना माइनिंग माफिया के लिए लीज को आगे बढ़ाना। सीएम मोहन यादव, आपके पास खुद मिनरल रिसोर्स मंत्री का विभाग है। आपको ही इसका जवाब देना होगा। मध्य प्रदेश की जनता जानना चाहती है कि सरकार माइनिंग माफिया के प्रति इतनी नरमी क्यों दिखा रही है।Ы उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के कामों ने माइनिंग सेक्टर को संभालने के तरीके पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं और माइनिंग लीज के रिन्यूअल में ज्यादा पारदर्शिता की मांग की। ये आरोप मध्य प्रदेश में सत्ताधारी भाजपा और विपक्षी कांग्रेस के बीच बढ़ते राजनीतिक टकराव के बीच लगाए गए हैं। हाल के दिनों में कांग्रेस ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को उनके परिवार के सदस्यों से जुड़े जमीन के मामले के आरोपों को लेकर निशाना बनाया है।

भाजपा ने आरोपों को किया खारिज

भाजपा ने उन आरोपों को बेबुनियाद और राजनीतिक मकसद से प्रेरित बताते हुए खारिज कर दिया है। माइनिंग लीज रिन्यूअल को लेकर लगे ताजा आरोपों ने राजनीतिक लड़ाई में एक नया मोड़ ला दिया है, जिसमें कांग्रेस खनिज संसाधनों को संभालने के तरीके को लेकर राज्य सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है। राज्य सरकार ने माइनिंग से जुड़े बकाया जुर्माने और लीज रिन्यूअल के बारे में सिंघार के आरोपों पर अभी तक कोई आधिकारिक जवाब नहीं दिया है।

मध्य प्रदेश पुलिस का हाईटेक प्लान

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अब ड्रोन से छोड़े जाएंगे आंसू गैस के गोले

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कानून-व्यवस्था की चुनौतीपूर्ण स्थितियों से निपटने के लिए मध्य प्रदेश पुलिस अब अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करने जा रही है। दंगा, उपद्रव और हिंसक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस पहली बार ऐसे हाईटेक ड्रोन खरीदेगी, जो जरूरत पड़ने पर हवा से ही आंसू गैस के गोले छोड़ सकेंगे।

नई तकनीक के इस्तेमाल से पुलिसकर्मियों को सीधे उपद्रवी भीड़ के बीच जाने की जरूरत कम होगी। इससे पथराव और हिंसक हमलों में पुलिसकर्मियों के घायल होने की आशंका भी काफी कम हो जाएगी।

पुलिस मुख्यालय ने प्रदेश के 40 जिलों के लिए विशेष ड्रोन खरीदने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रत्येक ड्रोन की अनुमानित कीमत करीब 14 लाख रुपये होगी। इनकी खरीद बीएसएफ टेकनपुर के माध्यम से की जाएगी।

प्रदेश के 55 जिलों में से पहले चरण में 40 जिलों को एक-एक ड्रोन उपलब्ध कराया जाएगा। बाकी 15 जिलों में जरूरत पड़ने पर नजदीकी जिलों से ड्रोन भेजे जाएंगे। इन ड्रोन में अत्याधुनिक कैमरे लगाए जाएंगे, जो उपद्रव प्रभावित क्षेत्र की लाइव निगरानी करेंगे। कंट्रोल रूम में मौजूद पुलिस अधिकारी वास्तविक समय में देख सकेंगे कि किस स्थान पर भीड़ सबसे ज्यादा उग्र है और आंसू गैस के गोले कहां छोड़ने से सबसे अधिक असर होगा। लाइव निगरानी के बाद ड्रोन के जरिए सुरक्षित दूरी से आंसू गैस के गोले छोड़े जाएंगे। इससे भीड़ को नियंत्रित करने की कार्रवाई अधिक प्रभावी और सुरक्षित होगी।

पुलिसकर्मियों की सुरक्षा होगी मजबूत

अब तक दंगों और हिंसक प्रदर्शनों के दौरान पुलिसकर्मियों को मौके पर जाकर आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़ते थे। इस दौरान कई बार उपद्रवी उनके ऊपर पथराव और हिंसक हमले कर देते थे। ड्रोन तकनीक के इस्तेमाल से पुलिस दूर से ही कार्रवाई कर सकेगी, जिससे पुलिस बल की सुरक्षा में बड़ा सुधार होगा। इन ड्रोन की मदद से पूरी कार्रवाई की उच्च गुणवत्ता वाली लाइव रिकॉर्डिंग भी की जाएगी। इससे उपद्रव, आगजनी, पथराव और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले आरोपियों की आसानी से पहचान की जा सकेगी। ड्रोन से रिकॉर्ड किया गया वीडियो अदालत में महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। इससे आरोपियों के खिलाफ प्रभावी और त्वरित कानूनी कार्रवाई करने में पुलिस को मदद मिलेगी।

जीएडी ने 5 पत्र लिखे, अब तक नहीं भेजी रिपोर्ट

निगम, मंडल, परियोजनाओं, योजनाओं में नियुक्त संविदा कर्मचारियों की विभाग नहीं दे रहे जानकारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के अलग-अलग विभागों के निगम, मंडल, योजना, परियोजनाओं में नियुक्त संविदा कर्मचारियों, अधिकारियों की जानकारी विभाग प्रमुख नहीं दे रहे हैं। हालात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सामान्य प्रशासन विभाग मुख्यमंत्री द्वारा इस मामले की समीक्षा किए जाने के निर्देश के साथ चार माह में 5 पत्र लिख चुका है, लेकिन अधिकारी बेपरवाह बने हैं। अब एक बार फिर जानकारी देने के लिए सभी विभागों को निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री की घोषणा पर अमल को लेकर सभी विभागों, निगमों, मंडलों, योजनाओं और परियोजनाओं में संविदा नीति-2023 लागू किए जाने की प्रगति रिपोर्ट तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किए हैं। अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव एवं सचिव स्तर के अधिकारियों को संबोधित पत्र में कहा गया है कि पूर्व में 18 मार्च, 13 अप्रैल, 4 मई एवं 8 जून 2026 को भी इस संबंध में पत्र भेजे जा चुके हैं, लेकिन कई विभागों से अब तक अपेक्षित जानकारी प्राप्त नहीं हुई है।

संविदा नीति के कौन से प्रावधान लागू किए बताना होगा

विभागों से कहा गया है कि संविदा नीति-2023 के विभिन्न प्रावधानों को निगम, मंडल, स्वायत्त संस्थाओं तथा योजनाओं, परियोजनाओं में किस प्रकार लागू किया गया है, इसकी बिंदुवार जानकारी प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि मुख्यमंत्री की घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की जा सके।

मिशन वात्सल्य को नई ताकत

महिला सुरक्षा में मध्यप्रदेश की बड़ी उपलब्धि

सुरक्षित पर्यटन की यूएन विमेन इंडिया ने की खुलकर सराहना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा के विज़न को साकार करते हुए एमपी टूरिज्म बोर्ड द्वारा महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना चलाई जा रही है। इसी क्रम में टूरिज्म बोर्ड में एक विशेष सत्र में यूएन विमेन इंडिया की कंट्री रिप्रेजेंटेटिव सुश्री शोको इशिकावा ने परियोजना की प्रशिक्षित बालिकाओं से सीधा संवाद किया और उनके अनुभवों व उपलब्धियों को जाना। शोको इशिकावा ने प्रशिक्षित बालिकाओं के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और कौशल की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल महिलाओं के लिए सुरक्षित और समावेशी पर्यटन के वैश्विक दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने कहा कि स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी इस परियोजना की सबसे बड़ी ताकत है

एमपी टूरिज्म बोर्ड के अपर प्रबंध संचालक श्री अभय अरविंद बेडेकर ने कहा कि हमारा लक्ष्य मध्यप्रदेश को महिला पर्यटकों के लिए देश का सबसे सुरक्षित और संवेदनशील पर्यटन गंतव्य बनाना है। प्रदेश में सुरक्षा, कौशल विकास और सामुदायिक सहभागिता के समन्वित प्रयासों से महिलाओं के लिए नए अवसर सृजित हो रहे हैं तथा पर्यटन क्षेत्र अधिक समावेशी बन रहा है।

हस्तनिर्मित उपहारों में दिखी आत्मनिर्भरता की झलक

STDW प्रोजेक्ट पर हुए संवाद के दौरान परियोजना से जुड़ी महिलाओं एवं बालिकाओं ने अपने कौशल का परिचय देते हुए अतिथियों को स्वयं निर्मित हस्तशिल्प भेंट किए। इनमें हस्तनिर्मित स्मृति चिन्ह, फैब्रिक ज्वेलरी, फेंगशुई कलाकृतियां शामिल हैं। इन उत्पादों ने न केवल स्थानीय कला और रचनात्मकता को प्रदर्शित किया, बल्कि यह भी दर्शाया कि परियोजना महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी रूप से कार्य कर रही है। बैठक के दौरान यूएन विमेन के प्रतिनिधिमंडल ने परियोजना के तहत विकसित कौशल प्रशिक्षण मॉडल, सामुदायिक सहभागिता और महिलाओं के आत्मविश्वास में आए सकारात्मक बदलावों की सराहना करते हुए इसे एक प्रभावी और प्रेरणादायक पहल बताया।

मानसून की सुस्ती

भारत में मॉनसून का आगमन केवल मौसम परिवर्तन की सूचना नहीं होता, वह एक सामूहिक उम्मीद का उत्सव भी होता है। यह वह समय है जब खेत आसमान की ओर देखने लगते हैं, नदियां अपने भविष्य की कल्पना करती हैं और गांवों की धड़कनें बादलों की आहट के साथ तेज होने लगती हैं। भारतीय मानसून दरअसल प्रकृति और समाज के बीच उस अदृश्य संवाद का नाम है, जिस पर देश की कृषि, अर्थव्यवस्था और करोड़ों लोगों का जीवन टिका हुआ है। यही कारण है कि इस वर्ष जब दक्षिण-पश्चिम मानसून ने अपेक्षाकृत अच्छी शुरूआत की, तो उम्मीदों के बीज भी तेजी से अंकुरित होने लगे। किसानों ने खरीफ की तैयारियां शुरू कर दीं, बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखाई देने लगे और जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रों ने राहत की कल्पना कर ली। लेकिन जून के तीसरे सप्ताह तक आते-आते मानसून की चाल धीमी पड़ गई। बारिश के आंकड़ों में दर्ज कमी केवल मौसम विज्ञान की सूचना नहीं है; यह उस चिंता का संकेत है जो देश के खेतों, गांवों और जलाशयों में महसूस की जा रही है। भारतीय कृषि का एक बड़ा हिस्सा आज भी वर्षा पर निर्भर है। धान, मक्का, सोयाबीन, कपास, अरहर और बाजरा जैसी फसलों की किस्मत काफी हद तक उन बादलों से जुड़ी होती है जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से उठकर देश के आकाश पर छा जाते हैं। जब वे बादल समय पर नहीं पहुंचते, तो केवल मिट्टी नहीं सूखती, किसानों की उम्मीदें भी दरकने लगती हैं। बुआई में देरी का अर्थ केवल कृषि कार्यों का टलना नहीं होता; इसका मतलब है बढ़ती लागत, अनिश्चित उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर बढ़ता दबाव। मौसम वैज्ञानिक मानसून की वर्तमान सुस्ती के पीछे कई कारण बताते हैं-अरब सागर से नमी का कमजोर प्रवाह, दक्षिण-पश्चिमी हवाओं की घटती तीव्रता, भूमध्यरेखीय पवनों की निष्क्रियता, बंगाल की खाड़ी में प्रभावी निम्न दबाव प्रणाली का अभाव और मेडन-जूलियन ऑसिलेशन की कमजोर स्थिति। वैज्ञानिक दृष्टि से ये सभी कारण महत्वपूर्ण हैं, किंतु आम किसान के लिए इनका सार केवल इतना है कि आसमान अभी उसकी अपेक्षा के अनुरूप उदार नहीं हुआ है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि जुलाई के शुरूआती दिनों में मानसून दोबारा सक्रिय हो सकता है और स्थिति में सुधार संभव है। ठिठके हुए बादलों के इस दौर में शायद यही सबसे महत्वपूर्ण सबक है, जिसे समझना होगा।

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्वसनीय सलाहकार... अमित शाह

सुरेश पचौरी
वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री

भारतीय राजनीति में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनका मूल्यांकन केवल उनके पदों से नहीं, बल्कि उनके निर्णयों, संगठन निर्माण की क्षमता से किया जाता है। मेरे सार्वजनिक जीवन के छह दशकों में मुझे अनेक प्रधानमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और विभिन्न दलों के शीर्ष नेताओं के साथ निकटता से काम करने का अवसर मिला है।

जब मैंने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की, तदोपरांत पहली बार दिल्ली स्थित अमित शाह जी के निवास पर मुझे मिलने का अवसर मिला। यह मेरे लिए अत्यंत सुखद और आश्चर्यजनक अनुभव था। हमारी पहली औपचारिक मुलाकात से पहले ही उन्हें मेरे सार्वजनिक जीवन, कांग्रेस संगठन में मेरी भूमिका, संसदीय अनुभव और राजनीतिक यात्रा की विस्तृत जानकारी ले रखी थी। मुझे स्पष्ट हो गया कि वे किसी व्यक्ति से मिलने से पहले उसकी पूरी जानकारी करते हैं। यह उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक है–तैयारी, तथ्य, अध्ययन और सूक्ष्म विश्लेषण। मेरे लंबे राजनीतिक जीवन में मैंने अनेक कुशल प्रशासकों और रणनीतिकारों को देखा है, लेकिन अमित शाह जैसा लौहपुरुष गृह मंत्री और राजनीतिक रणनीतिकार बिरले ही होते हैं । वे केवल घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं देते, बल्कि उनकी दिशा और संभावनाओं आँकलन कर संगठन और सरकार–दोनों को उसी अनुरूप तैयार करते हैं।

सन 2014 का लोकसभा चुनाव भारतीय राजनीति का निर्णायक मोड़ था। उस समय वर्तमान यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के सामने परिवर्तन, विकास और नए विश्वास का चेहरा थे, लेकिन उस जनसमर्थन को बूथ स्तर तक संगठित कर ऐतिहासिक जनादेश में परिवर्तित करने वाले प्रमुख रणनीतिकार अमित शाह थे। उत्तर प्रदेश में उनके मार्गदर्शन में भाजपा ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की और उसी विजय ने केंद्र में पूर्ण बहुमत की सरकार का मार्ग प्रशस्त किया। इसके बाद 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मिली ऐतिहासिक सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि यह केवल चुनावी लहर नहीं थी, बल्कि सुदृढ़ संगठन, सूक्ष्म प्रबंधन और देवतुल्य कार्यकर्ता-आधारित राजनीति का परिणाम था।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में श्री अमित शाह ने भारतीय जनता पार्टी को केवल एक राजनीतिक दल नहीं रहने दिया, बल्कि उसे विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राजनीतिक संगठन बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई। बूथ सशक्तिकरण, सदस्यता अभियान, पन्ना प्रमुख जैसी अवधारणाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर उन्होंने संगठन को गांव-गांव तक पहुँचाया। आज भाजपा का देश के लगभग प्रत्येक राज्य में संगठनात्मक आधार दिखाई देता है और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन निरंतर विस्तार की दिशा में आगे बढ़ा है। अमित शाह की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे केवल चुनाव जीतने की रणनीति नहीं बनाते, बल्कि भारत के राजनीतिक भूगोल को बदलने की दीर्घकालिक योजना पर काम करते हैं। महाराष्ट्र, बिहार, हरियाणा, उत्तर-पूर्व, ओडिशा और अन्य राज्यों में भाजपा तथा एनडीए का विस्तार इसी सोच का परिणाम माना जा सकता है। राज्यसभा में भाजपा और एनडीए की लगातार मजबूत होती स्थिति भी श्री शाह की दूरगामी सुनियोजित राजनीतिक रणनीति का परिणाम है। दक्षिण भारत, जिसे कभी भाजपा के लिए सबसे कठिन क्षेत्र माना जाता था, आज वहाँ भी पार्टी लगातार अपनी उपस्थिति मजबूत कर रही है।

यदि उनके सार्वजनिक जीवन की ऐतिहासिक उपलब्धियों का उल्लेख किया जाए, तो अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने का निर्णय स्वतंत्र भारत के सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक निर्णयों में गिना जाएगा। दशकों से लंबित विषय पर जिस दृढ़ता और स्पष्टता के साथ श्री शाह के द्वारा जो निर्णय लिया गया, उसने भारतीय राजनीति की दिशा बदल दी। राष्ट्रीय एकीकरण के प्रश्न पर यह निर्णय लंबे समय तक चर्चा और अध्ययन का विषय रहेगा। इसी प्रकार तीन तलाक के विरुद्ध कानून, नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA), राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में उठाए गए कदम, नक्सलवाद और आतंकवाद के विरुद्ध कठोर नीति तथा पूर्वोत्तर भारत में अनेक शांति समझौतों ने केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में उनकी कार्यशैली को अलग पहचान दी। कोविड-19 जैसी अभूतपूर्व वैश्विक महामारी के दौरान भी गृह मंत्रालय के स्तर पर राज्यों के साथ समन्वय, कानून-व्यवस्था बनाए रखना, आवश्यक सेवाओं की निर्बाध व्यवस्था और संकट प्रबंधन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। ऐसे समय में त्वरित निर्णय क्षमता और प्रशासनिक समन्वय किसी भी सरकार की सबसे बड़ी परीक्षा होती है।

राजनीति के चाणक्य हैं- अमित शाह : देश की सबसे बड़ी चुनौती नक्सलवाद को अमित शाह ने खत्म कर दिया। लोकसभा या राज्यसभा की व्यूहरचना हो, अमित शाह हमेशा फ्लोर मैनेजमेंट में मास्टर साबित हुए और दोनों सदन में उनकी तर्कपूर्ण आक्रामकता रही। आने वाले सदन के सत्र में अमित शाह की रणनीति सफल साबित होगी। यदि श्री अमित शाह की राजनीतिक यात्रा का सबसे प्रेरक अध्याय चुनना हो, तो मैं पश्चिम बंगाल का उल्लेख अवश्य करूँगा।

मेरे व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर मैं यह कह सकता हूँ कि अमित शाह की सबसे बड़ी शक्ति उनकी स्मरण क्षमता, अध्ययनशीलता, कार्यकर्ताओं के प्रति आत्मीयता और निर्णय लेने की क्षमता है। मेरे अनुभव में अमित शाह उन बिरले नेताओं में से एक हैं जिन्होंने संगठन, चुनावी रणनीति, शासन, राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक विस्तार। इन सभी क्षेत्रों में अपनी गहरी छाप छोड़ी है। यही किसी भी सफल राजनीतिक रणनीतिकार की सबसे बड़ी उपलब्धि होती है।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए बढ़ चढ़कर आगे आएं होनहार बच्चे

डॉ. निवेदिता शर्मा
मप्र बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष

भारत प्रतिभाओं की धरती है। यहां के गांवों, कस्बों और शहरों में ऐसे हजारों बच्चे हैं, जो अपनी उम्र से कहीं आगे बढ़कर समाज, पर्यावरण, विज्ञान, खेल, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। कोई कठिन परिस्थितियों में भी पढ़ाई जारी रखते हुए वैज्ञानिक सोच के साथ नवाचार कर रहा है, कोई जल और जंगल बचाने का अभियान चला रहा है, कोई राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में नाम रोशन कर रहा है, तो कोई अपनी संवेदनशीलता और साहस से समाज के लिए मिसाल बन रहा है। स्वभाविक है इस कार्य को मध्य प्रदेश के हमारे अपने अनेकों बच्चे भी कर रहे हैं, किंतु दुर्भाग्य यह है कि इनमें से अनेक बच्चों की प्रेरक कहानियां स्थानीय स्तर तक ही सीमित रह जाती हैं।

वास्तव में ऐसे बच्चों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश के बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों से 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' के लिए अधिक से अधिक नामांकन भेजने का आह्वान किया गया है। यह पुरस्कार उस सोच का सम्मान है, जो यह सिद्ध करती है कि परिवर्तन लाने के लिए बड़ी उम्र नहीं, बड़ा संकल्प चाहिए। यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो तो छोटी उम्र में भी असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार भारत का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है, जो पांच से 18 वर्ष आयु वर्ग के उन बच्चों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने असाधारण धैर्य, साहस, सृजनात्मकता और अदम्य जज्बे का परिचय दिया हो। प्रत्येक वर्ष नई दिल्ली में आयोजित विशेष समारोह में राष्ट्रपति इन प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करते हैं। पुरस्कार छह श्रेणियों, जिसमें बहादुरी, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शामिल हैं, में प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के अवसर पर किया जाता है।

यह दिवस दसवें सिख गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों, साहिबज़ादा जोरावर सिंह और साहिबज़ादा फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान और नैतिक साहस की स्मृतियों को याद करने के लिए है। मात्र नौ और सात वर्ष की आयु में अपने सिद्धांतों और आस्था से समझौता न करने वाले इन वीर बालकों का जीवन आज भी बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार उसी अमर परंपरा को वर्तमान पीढ़ी की उपलब्धियों से जोड़ने का माध्यम है, जहां साहस, सेवा, समर्पण और उत्कृष्टता को राष्ट्र का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त होता है। वर्ष 2019 में इस पुरस्कार की नई व्यवस्था लागू होने के बाद से अब तक देशभर के 203 बच्चों को सम्मानित किया जा चुका है। इन बच्चों की उपलब्धियां विविध क्षेत्रों में रही हैं। किसी ने बाढ़ या आग जैसी आपदा में लोगों की जान बचाई, किसी ने वैज्ञानिक उपकरण विकसित किए, किसी ने दिव्यांगजनों के लिए उपयोगी तकनीक बनाई, किसी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए हजारों लोगों को जागरूक किया, तो किसी ने खेल या कला के क्षेत्र में भारत का गौरव बढ़ाया। इन प्रेरक कहानियों ने यह साबित किया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर, संसाधन या आर्थिक स्थिति की मोहताज नहीं होती।

मध्य प्रदेश में भी ऐसी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जनजाति अंचलों से लेकर नगर, महानगरों तक अनेक बच्चे अपनी मेहनत और रचनात्मकता से नई पहचान बना रहे हैं। अलग-अलग दिशा में हमारे बच्चे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अब ऐसे बच्चों के कार्यों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए आवश्यक है कि समय रहते उनका नामांकन किया जाए। अब जिन छह श्रेणियों में यह पुरस्कार दिया जाता है, उनमें अपने जीवन की परवाह किए बिना दूसरों की सहायता की हो या संकट की घड़ी में अद्वितीय साहस और सूझबूझ का परिचय दिया हो, उसे बहादुरी के अंतर्गत सम्मान ये सम्मान मिलता है। समाज सेवा श्रेणी उन बच्चों के लिए है जिन्होंने समाज के कमजोर वर्गों, महिलाओं, बच्चों या समुदाय के हित में प्रेरणादायी कार्य किए हों। पर्यावरण श्रेणी में प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता, जल संरक्षण, स्वच्छता और जलवायु संबंधी प्रयासों को महत्व दिया जाता है। खेल श्रेणी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए है। कला एवं संस्कृति में संगीत, नृत्य, चित्रकला, लोककला, रंगमंच और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में योगदान देने वाले बच्चों को सम्मानित किया जाता है, जबकि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्रेणी में ऐसे नवाचारों को मान्यता दी जाती है, जिनसे समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान हुआ हो या लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद मिली हो।

यहां यह भी समझें कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वास्तव में उस विश्वास का प्रतीक है कि राष्ट्र अपने बच्चों की प्रतिभा, संवेदनशीलता, साहस और नवाचार को देख रहा है, समझ रहा है और उसका सम्मान कर रहा है। यह सम्मान उन बच्चों को नई पहचान देता है और लाखों अन्य बच्चों को यह संदेश देता है कि सकारात्मक सोच, निरंतर मेहनत और समाज के प्रति जिम्मेदारी किसी भी उम्र में राष्ट्रीय गौरव का कारण बन सकती है। मध्य प्रदेश के बच्चों के लिए यह अवसर प्रदेश की नई पीढ़ी की प्रतिभा को देश के सामने प्रस्तुत करने का भी है। यदि आपके आसपास कोई ऐसा बच्चा है जिसने अपनी उम्र से कहीं बड़ा कार्य किया है, तो उसकी कहानी राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का समय यही है। याद रखिए; सही समय पर किया गया नामांकन किसी बच्चे के जीवन की दिशा बदल सकता है और उसे देशभर के बच्चों के लिए प्रेरणा बना सकता है। संभव है, इस वर्ष राष्ट्रपति भवन में सम्मानित होने वाले असाधारण बच्चों में मध्य प्रदेश के भी हमारे कई होनहार बालक या बालिका भी शामिल हों, बस आवश्यकता है उनकी प्रतिभा को पहचानने और समय पर आगे लाने की, जो कार्य आप सभी को अपने आसपास के बच्चों की प्रतिभा को ध्यान में रखकर करना है।

–यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

किडनी और हार्ट की समस्या का भी संकेत दे सकती है पैरों में आने वाली सूजन

पैरों में सूजन एक आम समस्या है, जिसे मेडिकल भाषा में एडिमा (Edema) कहा जाता है। कई बार लंबे समय तक खड़े रहने, अधिक चलने या गर्म मौसम की वजह से पैरों में हल्की सूजन हो सकती है। लेकिन यदि यह समस्या बार-बार हो रही है या लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह शरीर में किसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकती है। पैरो की सूजन को पेडल एडिमा और फुट एडिमा के नाम से भी जाना जाता है। डॉक्टर एलेक्स मैथ्यू सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन के अनुसार पैरों की सूजन तब होती है जब शरीर के टिश्यू में अतिरिक्त तरल पदार्थ जमा होने लगता है। यह समस्या हार्ट, किडनी, लिवर और अन्य कई स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ी हो सकती है।

जब हृदय शरीर में रक्त को प्रभावी तरीके से पंप नहीं कर पाता, तो रक्त और तरल पदार्थ पैरों, टखनों और पैरों के निचले हिस्सों में जमा होने लगते हैं। इसे कंजेस्टिव हार्ट फेलियर कहा जाता है। हार्ट फेलियर से जुड़ी सूजन आमतौर पर दोनों पैरों में दिखाई देती है। इसके साथ ही व्यक्ति को सांस फूलना, थकान और सीने में भारीपन जैसे लक्षण भी महसूस हो सकते हैं। इस दौरान व्यक्ति को पेडेल एडिमा के लक्षण दिखते हैं।

किडनी की बीमारी का संकेत: किडनी शरीर से अतिरिक्त पानी और बॉडी टॉक्सिन्स को बाहर निकालने का काम करती है। जब किडनी ठीक से काम नहीं करती, तो शरीर में तरल पदार्थ जमा होने लगते हैं जिससे पैरों, टखनों और चेहरे पर सूजन आ सकती है। विशेष रूप से क्रोनिक किडनी डिजीज (CKD) वाले मरीजों में यह समस्या आम होती है।

लिवर की बीमारी भी हो सकती है वजह: लिवर शरीर में एल्ब्यूमिन नामक प्रोटीन बनाता है जो रक्त वाहिकाओं के अंदर तरल पदार्थ को बनाए रखने में मदद करता है। लिवर सिरोसिस या अन्य गंभीर लिवर रोगों में एल्ब्यूमिन का उत्पादन कम हो जाता है। इसके परिणामस्वरूप तरल पदार्थ पैरों और पेट में जमा होने लगता है, जिससे सूजन दिखाई देती है।

पैरों की सूजन से बचाव के उपाय: लंबे समय तक एक ही जगह बैठने या खड़े रहने से बचें। नमक का सेवन सीमित करें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं। वजन को कंट्रोल में रखें और काम करते समय पैरों को लटकाकर न बैठें। पैरों में सूजन को केवल थकान या उम्र का असर समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह हार्ट फेलियर, किडनी रोग, लिवर की बीमारी, एलर्जी, दवाओं के दुष्प्रभाव या शरीर में प्रोटीन की कमी जैसी कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकती है। यदि सूजन बार-बार हो रही है या अन्य लक्षणों के साथ दिखाई दे रही है, तो समय रहते डॉक्टर से जांच करवाना बेहद जरूरी है।

निशाना

देखो धरा को..!

नीतिराज चौरे ' नीति '

देखो धरा को हुआ हाल क्या है,
बोले बिना कैसे हम चुप रहे।
नजारा था सुंदर दूषित किया जिसने,
वे कहते अदब से, अब हम क्या करे?
नदियों को देखो नाले मिले है,
अपशिष्ट जल उसमें किसने मिलाया।
वहां जीवो का जीना मुश्किल किया जिसने,
वे कहते अदब से, अब हम क्या करे?
वृक्षों को काटा जाता यहां पर,
वनों को तो देखो जो अब कम हुए है।
जीव जंतु की हत्या करते है निर्भय,
वे कहते अदब से, अब हम क्या करे?
मानव को देखो दानव बना है,
निर्दयता की भी हद हो रही है।
कर्मो को अपने सुधारा नहीं और,
कहते अदब से, अब हम क्या करे?

टेक्नो अपडेट

सिर्फ एक डेस्कटॉप नहीं, खूबसूरत 'डिजिटल कैनवास' का अहसास देता है यह AI पीसी

आमतौर पर एक डेस्कटॉप का मतलब होता है ढेर सारी तारों का जंजाल, भारी-भरकम सीपीयू यूनिट और आउटडेटेड दिखने वाला एक बेजान मॉनिटर। लेकिन यह ऑल-इन-वन एआई डेस्कटॉप सिस्टम बिना किसी झंझट के झटपट इस्तेमाल के लिए तैयार हो जाता है। पूरी तरह सेटअप होने के बाद यह आपकी डेस्क पर रखा कोई कंप्यूटर नहीं, बल्कि किसी मॉडर्न आर्ट पीस जैसा लगता है। असल में यह एक साधारण डेस्कटॉप से कहीं ज्यादा अपने स्लीक स्टैंड पर तैरता हुआ एक आलीशान डिजिटल कैनवास महसूस होता है, जो आपके पूरे वर्कस्टेशन के लुक को कई गुना बढ़ा देता है।

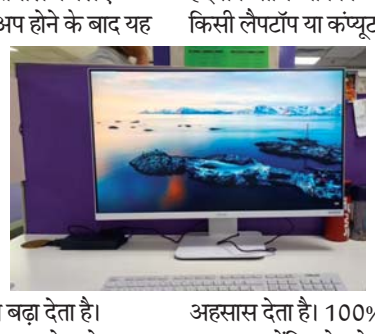

इस ASUS VM670KAAiO को इस्तेमाल करने के बाद कहा जा सकता है कि इसे डिजाइन करते हुए बारीकियों का बहुत अच्छे से ध्यान रखा गया है। दरअसल, अपने बेहद स्लिम बेजल्स के साथ इसका डिस्प्ले बेहद वाइड और मॉडर्न लगता है। इसके अलावा पीछे की तरफ दिया गया एनग्रेव्ड टेक्सचर और प्रीमियम मेटल फिनिश हिंज इसे बेहद क्लासी और टिकाऊ फील देता है। इसके प्रीमियम डिजाइन के बाद जो चीज सबसे ज्यादा चौंकाती है वह है इसका 5M IR कैमरा, जो कि पूरी तरह से रीट्रैक्टेबल है। यानी जब आपका वीडियो कॉल या मीटिंग खत्म हो जाए, तो आप इसे बस धीरे से नीचे की तरफ दबाकर छिपा सकते हैं। ऐसे में किसी को पता ही नहीं चलता कि इस ऑल-इन-वन डेस्कटॉप में बड़े काम का कैमरा भी मौजूद है इसके साथ आपको अपनी प्राइवेसी के लिए किसी लैपटॉप या कंप्यूटर की तरह कैमरे पर गंदा स्टिकर चिपकाने की जरूरत भी नहीं है। बस एक पुश और आपकी प्राइवेसी पूरी तरह से सुरक्षित।

इस स्क्रीन पर फिल्में देखना या तस्वीरें एडिट करना एक अलग ही जादुई अहसास देता है। 100% sRGB कलर गैमट और आसुस स्प्लेंडिड टेक्नोलॉजी की बदौलत कलर्स एकदम ओरिजिनल और रियल टू लाइफ दिखते हैं। इतना ही नहीं फिल्में या वेब सीरीज देखते वक्त इसका विविड मोड ऑन करते ही कलर्स इतने बेहतरीन तरीके से निखर कर आते हैं कि मजा आ जाता है। सबसे अच्छी बात यह रही कि दिन में लगातार 8 घंटे काम करने के बाद भी मेरी आंखों में थकान या जलन नहीं हुई, क्योंकि यह डिस्प्ले आंखों की सुरक्षा के लिए TÜV Rheinland-certified एंटी-ग्लेयर और लो ब्लू-लाइट कोटिंग के साथ आता है।

वायरल कंटेंट

गाय ने जब टाइगर को दिखाया दम, जंगल के राजा को मैदान छोड़कर भागना पड़ा

जंगल में बाघ को सबसे खतरनाक शिकारी माना जाता है। उसे देखकर जंगल के ज्यादातर जानवर अपनी जान बचाकर भागते हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया है। इस वीडियो में एक साधारण गाय बाघ के सामने डटकर खड़ी नजर आती है। इतना ही नहीं, गाय का हौसला देखकर खुद टाइगर को पीछे हटना पड़ता है। वीडियो देखने के बाद लोग यही कह रहे हैं कि शायद ऐसा नजारा पहले कभी देखने को नहीं मिला होगा। इंटरनेट पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है और लोग गाय की बहादुरी की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

दरअसल, वायरल हो रहे वीडियो में दिखता है कि जंगल के किनारे एक टाइगर घूमता दिखाई देता है। तभी उसकी नजर कुछ दूर पर खड़ी गाय पर पड़ती है। आमतौर पर ऐसे हालात में जानवर डरकर भाग जाते हैं, लेकिन यहां मामला बिल्कुल अलग था। गाय बाघ को देखकर पीछे हटने के बजाय वहीं खड़ी रहती है। कुछ ही सेकंड बाद वह गुस्से में बाघ की तरफ बढ़ने लगती है। गाय का यह रूप देखकर टाइगर भी थोड़ा घबरा जाता है। वीडियो में साफ दिखाई देता है कि टाइगर धीरे-धीरे पीछे हटने लगता है। इसके बाद गाय और तेजी से उसकी तरफ बढ़ती है, जिससे टाइगर वहां से हटना शुरु कर देता है । यह नजारा देखकर लोग हैरान रह गए, क्योंकि जंगल के राजा को इस तरह डरते हुए बहुत कम देखा जाता है।

यह वीडियो फेसबुक पर @The Ranthambore National Park Safari नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है। शेयर करते ही यह वाडियो तेजी से वायरल हो गया। लाखों लोग इसे देख चुके हैं और हजारों यूजर्स इस पर मजेदार रिएक्शन दे रहे हैं। कई लोगों ने कहा कि मां की ताकत सबसे बड़ी होती है। कुछ यूजर्स का मानना है कि गाय शायद अपने बच्चे की रक्षा कर रही थी, इसलिए उसने इतनी हिम्मत दिखाई। वहीं कई लोगों ने मजाकिया अंदाज में लिखा कि आज पहली बार टाइगर को भी अपनी जान बचाकर भागना पड़ा। एक यूजर ने लिखा- 'हिम्मत हो तो ऐसी।' दूसरे ने कहा- 'गाय ने बता दिया कि डर सिर्फ दिल में होता है। ' तीसरे यूजर ने लिखा- ' इतिहास में पहली बार देखा है बाघ को गाय से डरते हुए।' वहीं कुछ लोगों ने इसे प्रकृति का अनोखा पल बताया।

न्यूज विंडो

128 सफाईकर्मी, सुपरवाइजर, स्वच्छता निरीक्षक तैनात, फिर भी कचरे का अंबार

उमरिया। स्वच्छता के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करने वाली नगर पालिका उमरिया की जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। नगर पालिका में लगभग 128 सफाईकर्मी पदस्थ होने के बावजूद शहर की कई गलियों और मोहल्लों में महीनों से कचरे के ढेर पड़े होने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। सवाल यह है कि जब पर्याप्त सफाई अमला उपलब्ध है, तब भी शहर की सफाई व्यवस्था बदहाल क्यों है? स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई स्थानों पर कचरा लंबे समय तक नहीं उठाया जाता। जब संबंधित सुपरवाइजर अथवा स्थानीय भाषा में कहे जाने वाले मुकद्दम से शिकायत की जाती है, तो समस्या के समाधान के बजाय उसे नजरअंदाज कर दिया जाता है। इससे लोगों में नगर पालिका की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। मामले का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष नगर पालिका के स्वच्छता निरीक्षक की भूमिका को लेकर उठ रहा है। नागरिकों का आरोप है कि शहर की अनेक गलियों की स्थिति से स्वच्छता निरीक्षक अनभिज्ञ हैं। यदि यह आरोप सही है, तो प्रश्न उठता है कि क्या नियमित निरीक्षण हो रहे हैं? क्या सफाई कार्यों की मॉनिटरिंग केवल कागजों तक सीमित है? सबसे बड़ा सवाल यह है कि नगर पालिका द्वारा सफाई व्यवस्था पर हर माह खर्च किए जाने वाले संसाधनों का वास्तविक लाभ जनता को क्यों नहीं मिल रहा? क्या सभी 128 सफाईकर्मी नियमित रूप से अपने निर्धारित क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं? क्या उनकी उपस्थिति और कार्य की निगरानी की जा रही है? यदि हां, तो फिर शहर में गंदगी का आलम क्यों है?

सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत साइबर जागरूकता रथ रवाना, करेगा जागरूक

नर्मदापुरम। जिले में साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से नर्मदापुरम पुलिस ने सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत साइबर जागरुकता रथ का शुभारंभ किया। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशन में संचालित इस अभियान के अंतर्गत मंगलवार को पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस थोटा ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर से साइबर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ जिले के सभी अनुभागों और थाना क्षेत्रों में भ्रमण कर आम नागरिकों को साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी देगा। अभियान के दौरान विशेष रूप से बुजुर्गों, विद्यार्थियों, व्यापारियों तथा ऑनलाइन बैंकिंग का उपयोग करने वाले नागरिकों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक किया जाएगा। एडिशनल एसपी अभिषेक राजन ने बताया कि जागरूकता रथ प्रतिदिन विभिन्न थाना क्षेत्रों में पहुंचेगा, जहां थाना स्टाफ द्वारा बाजारों, शैक्षणिक संस्थानों, बैंक शाखाओं और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर साइबर सुरक्षा संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा ने कहा कि डिजिटल युग में सतर्क रहना प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी साइबर अपराध या संदेह की स्थिति में तत्काल नजदीकी थाने, पुलिस कंट्रोल रूम अथवा राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। समय पर रिपोर्टिंग से साइबर अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई संभव हो पाती है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन, रक्षित निरीक्षक स्नेहा चंदेल, साइबर सेल प्रभारी प्रवीण मालवीय सहित साइबर सेल एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कटनी में एक माह की बच्ची ने तीन सेंमी लंबी बालों की चिमटी निगली

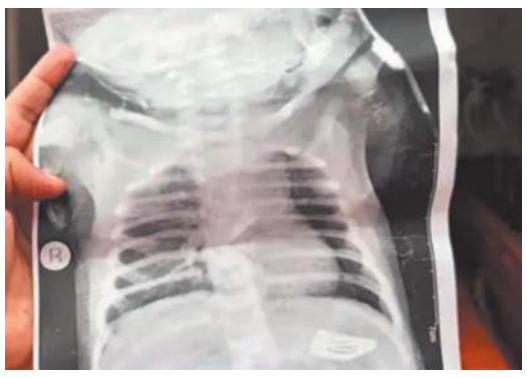

कटनी। जिले के बड़वारा थाना क्षेत्र के ग्राम रुपौध में एक माह की बच्ची ने 3 सेंटीमीटर लंबी बालों की चिमटी निगल ली। घटना के बाद बच्ची को बड़वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

डिंडौरी में मानसून की पहली बारिश ने ही किया लबालब

डिंडौरी। डिंडौरी में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया। जिला मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में लगभग ढाई घंटे तक झमाझम मूसलाधार बारिश हुई। इस पहली तेज बारिश ने ही नगर पालिका के सफाई दावों की पोल खोलकर रख दी। सड़कें पूरी तरह तालाब में तब्दील हो गईं और कई इलाकों में जलभराव के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो-तीन दिनों तक जिले में बारिश का यह दौर जारी रहेगा।

जनपद अध्यक्ष को पालतू कुत्ते ने काटा, मालिक पर एफआईआर दर्ज

नर्मदापुरम। जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं भाजपा नेता भूपेंद्र चौकसे को गत दिवस मॉर्निंग वॉक के दौरान एक पालतू कुत्ते ने काट लिया। घटना सुबह करीब 7:30 बजे कुलामढ़ी रोड स्थित मंगलमय विलास कॉलोनी में हुई। मामले में चौकसे ने देहात थाने पहुंचकर कुत्ते के मालिक गणेश मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। भूपेंद्र चौकसे ने बताया कि वे रोज की तरह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। कॉलोनी के गेट के पास पहले से तीन कुत्ते मौजूद थे। इसी दौरान एक कुत्ता अचानक उनकी ओर झपटा। उन्होंने बचने की कोशिश की और पीछे हटकर भागे, लेकिन कुत्ते ने उनके पैर में काट लिया। चौकसे का आरोप है कि कुत्ते के मालिक गणेश मिश्रा अपने पालतू कुत्ते को खुला छोड़ देते हैं। उनका कहना है कि यही कुत्ता पहले भी कॉलोनी की तीन-चार महिलाओं सहित चार से पांच अन्य लोगों को काट चुका है। हालांकि, पूर्व में किसी ने इसकी पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई थी।

जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन पर वर्षा जल संचयन का लिया संकल्प

जल संरक्षण जन आंदोलन बने, तभी सुरक्षित होगा भविष्य: मंत्री राकेश सिंह

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन पर प्रदेश के लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल 100 दिनों का सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से निरंतर चलने वाला जन आंदोलन है। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी केवल शासन की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की है।

जिला स्तरीय समापन समारोह में प्रभारी मंत्री ने जनपद पंचायत परिसर में बादाम का पौधा रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, विधायक प्रेमशंकर वर्मा, विजयपाल सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष राधा पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव सहित जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में लगातार तीसरे वर्ष सफलतापूर्वक संचालित इस अभियान ने जल संरक्षण को जनचेतना से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि देश की समृद्ध विरासत की तरह जल संपदा भी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित सौंपना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से वर्षा जल संचयन, वाटर हार्वेस्टिंग और पारंपरिक जल संरक्षण के उपाय अपनाने की अपील की। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि जल मंदिर, जल रैलियों और जनजागरण कार्यक्रमों जैसे प्रयासों को प्रधानमंत्री स्तर पर भी सराहना मिली थी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री का जनता के नाम संदेश भी पढ़कर सुनाया। इस अवसर पर विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने कहा कि वृक्षारोपण और वर्षा जल संचयन को जनभागीदारी से अपनाकर भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

12 विभागों ने निभाई भूमिका

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में 12 विभागों ने विभिन्न गतिविधियां संचालित कीं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने खेत तालाब, कूप रिचार्ज, जल संरक्षण कार्य और पौधरोपण कराया। केसला जनपद में पांच नए अमृत सरोवर बनाए गए। वहीं नर्मदा और सहायक नदियों के घाटों की सफाई जनसहभागिता से कराई गई। इसके अलावा स्कूलों में पानी की टंकियों की सफाई, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, जल गुणवत्ता परीक्षण, चेक डैम निर्माण, पोषण वाटिका, जल चौपाल, जल यात्राएं, वृक्षारोपण और औद्योगिक इकाइयों में वर्षा जल संचयन जैसी गतिविधियां भी अभियान के दौरान संचालित की गईं। कार्यक्रम के अंत में जल संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित किया गया।

विकसित औद्योगिक हब बनेगा नर्मदापुरम, प्राकृतिक खेती और आपदा प्रबंधन पर दिया विशेष जोर

लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने गत दिवस को कलेक्टर कार्यालय के रेवा सभा कक्ष में आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में विभिन्न विकास कार्यों, कृषि, उद्योग, सड़क, आपदा प्रबंधन, उपार्जन और खाद वितरण की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नर्मदापुरम तेजी से विकसित औद्योगिक हब के रूप में उभर रहा है और आने वाले समय में जिले की नई पहचान बनेगा। बैठक में प्रभारी मंत्री ने उद्योग विभाग और एमपीआईडीसी के कार्यों की समीक्षा करते हुए बासमती चावल के उत्पादन एवं निर्यात के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। वहीं मोहासा-हासा बाबई क्षेत्र में प्रस्तावित फूड पार्क के लिए आवंटित लेकिन अब तक उपयोग में नहीं आए भूखंडों की समीक्षा कर संबंधित संस्थाओं को नियमानुसार नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि किसानों को इसके लिए लगातार प्रोत्साहित किया जाए तथा उनके उत्पादों की बिक्री के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई जाए। प्रत्येक पंचायत में प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों की सूची एवं संपर्क विवरण उपलब्ध कराने, प्रमाणन प्रक्रिया और लाभों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा विकासखंड स्तर पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के निर्देश कृषि विभाग को दिए गए।

नपा के तीन कर्मियों को भावभीनी विदाई, सेवाकाल की सराहना की

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नगरपालिका परिषद नर्मदापुरम के तीन कर्मचारी गत दिवस को शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर नगरपालिका कार्यालय में आयोजित सादे एवं गरिमामय समारोह में उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि कैलाश तिवारी, मनोहर कहार एवं शांति मंडल ने सफलतापूर्वक अपना सेवाकाल पूर्ण करने के बाद सेवानिवृत्ति प्राप्त की। समारोह में उनके लंबे सेवाकाल और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया।

नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शॉल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके स्वस्थ, सुखद और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में पूर्व नपा उपाध्यक्ष अशोक कुशराम, पार्षद संदीप सिंह ठाकुर, स्मृति सोनी, दाताराम सगर, सुनील अवस्थी, सुनील राठौर, यशोदानंदन शर्मा, नंदा संतोरे, प्रेमलता यादव, गौरव वर्मा, आसिफ खान एवं अर्चना मंडल सहित नगरपालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

माई की बगिया पार्किंग के सूखने लगे पेड़

अमरकंटक/अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

पवित्र नगरी अमरकंटक के प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक स्थल माई की बगिया स्थित पार्किंग क्षेत्र में लगे कई पेड़ों के सूखने का मामला चिंता का विषय बनता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पार्किंग क्षेत्र में अत्यधिक कंक्रीटीकरण किए जाने के कारण वर्षा का पानी जमीन के भीतर नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे पेड़ों की जड़ों को पर्याप्त नमी नहीं मिल रही और वे धीरे-धीरे सूखते जा रहे हैं।

पर्यावरण प्रेमियों का मानना है कि अमरकंटक जैसी हरित एवं धार्मिक नगरी में अनियोजित कंक्रीटीकरण प्राकृतिक जल संरक्षण व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले समय में अनेक पुराने एवं छायादार पेड़ भी समाप्त हो सकते हैं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि माई की बगिया सहित पूरे अमरकंटक में हो रहे अनावश्यक कांक्रीटीकरण की समीक्षा की जाए। जहां संभव हो वहां जल रिसाव वाली सतह (परमिएबल पेवमेंट) को प्राथमिकता दी जाए और पेड़ों के आसपास पर्याप्त खुली मिट्टी छोड़ी जाए, ताकि वर्षा का पानी सीधे जमीन में समा सके। नागरिकों का कहना है कि अमरकंटक की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए बिना आवश्यकता के कंक्रीट सड़क निर्माण पर रोक लगाई जानी चाहिए। साथ ही सूख रहे पेड़ों का विशेषज्ञों से परीक्षण कराकर उनके संरक्षण के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए।

पीथमपुर में तेज रफ्तार ट्रॉले ने बाइक सवार सुरक्षाकर्मी को कुचला; मौके पर ही हुई मौत

धार। दोपहर मेट्रो

धार की औद्योगिक नगरी पीथमपुर के व्यस्त डाक बंगला चौराहे पर बुधवार सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया। यहां एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्राले ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि युवक की बाइक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 9 बजे हुआ। मृतक युवक अकोलिया चौराहे से पीथमपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान डाक बंगला चौराहे के पास पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित ट्राले ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही युवक का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग से टकरा गया। इसके बाद वह ट्राले के पिछले पहिए की चपेट में आ गया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही सेक्टर-1 थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। मृतक की पहचान कृष्णा कुमार (30), पिता पीताम्बर पटेल, निवासी पीथमपुर के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि कृष्णा कुमार पीथमपुर की ही एक कंपनी में सुरक्षाकर्मी (सिक्योरिटी गार्ड) के पद पर कार्यरत थे।

ऑनलाइन ठगी: डेयरी संचालक के खाते से 39 हजार रुपए से अधिक उड़ाए

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के वार्ड क्रमांक 9 निवासी एवं गोपी दूध डेयरी संचालक संतराम राठौर ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत देकर ऑनलाइन साइबर ठगी का मामला दर्ज कराने और कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार 27 जून 2026 को एक अज्ञात व्यक्ति ने स्वयं को दूध खरीदने वाला बताकर फोन किया और तीन माह तक दूध, दही व पनीर की सप्लाई का झांसा दिया पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने पहले कोटेशन मंगवाया, फिर भुगतान करने के बहाने स्कैनर भेजने और वीडियो कॉल के जरिए मोबाइल से कुछ प्रक्रियाएं कराईं। इसके बाद उसके बैंक खाते से पहले 26,149, फिर 1,000, उसके बाद 10,000 और अंत में 2,991 रुपए निकाल लिए गए। कुल मिलाकर करीब 40 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी हो गई। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा ठगी गई राशि वापस दिलाने की मांग की है। देशभर में इस तरह के फर्जी लोन, खरीद-बिक्री और ऑनलाइन भुगतान के नाम पर साइबर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, जिनसे सावधान रहने की सलाह दी जाती है।

मेट्रो एंकर — मंडी खाली कराने के आदेश से मचा हड़कंप

बिना वैकल्पिक स्थान आवंटन के सब्जी मंडी हटाने का विरोध, व्यापारियों ने आंदोलन की दी चेतावनी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर के फल एवं सब्जी विक्रेता संघ ने वर्तमान सब्जी मंडी स्थल खाली कराने के आदेश का विरोध करते हुए एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है। संघ ने मांग की है कि जब तक नया स्थायी स्थान आवंटित नहीं किया जाता, तब तक वर्तमान मंडी स्थल से व्यापारियों को नहीं हटाया जाए। अन्यथा पूरे नगर में फल एवं सब्जी व्यापार बंद कर व्यापक आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन में बताया गया कि वर्ष 2022 में पुराने मेला ग्राउंड से हटाकर सब्जी एवं फल विक्रेताओं को पुरानी गल्ला मंडी परिसर में स्थान आवंटित किया गया था, जहां सभी व्यापारी नियमित रूप से अपना व्यवसाय कर रहे हैं। अब प्रशासन द्वारा मुनादी कर वर्तमान स्थान खाली करने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि अभी तक व्यापारियों के लिए किसी वैकल्पिक स्थान की व्यवस्था नहीं की गई है। व्यापारियों का कहना है कि बिना नई जगह आवंटित किए मंडी हटाने से सैकड़ों परिवारों की आजीविका प्रभावित होगी और नगर में अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। संघ ने प्रशासन से मांग की है कि पूर्व घोषणा के अनुसार पहले नया स्थायी स्थान आवंटित किया जाए, उसके बाद ही वर्तमान स्थल खाली कराया जाए।

फल एवं सब्जी विक्रेता संघ ने चेतावनी दी है कि यदि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के जबरन मंडी हटाई गई तो संघ नगरभर में फल-सब्जी व्यापार बंद कर व्यापक आंदोलन करेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

जाहिर सूचना

मैं वार्ड क्रमांक 20 कला मंदिर के पास टोरी सिरोंज तहसील सिरोंज जिला विदिशा म.प्र. का स्थायी निवासी हूं।

यह कि मेरा वास्तविक नाम मुर्शरफ अली (Musharaf Ali) है जो कि मेरे शैक्षणिक दस्तावेजो में नाम अभिलिखित है तथा मेरा नाम मतदाता पहचानपत्र में मुर्शरफ अली (Musarraf Ali) आधारकार्ड में मुर्शरफ अली (Musarraf Ali) पेन कार्ड स्थाई लेखा संख्या में मुर्शरफ अली (Musarraf Ali) है। मेरे वास्तविक दस्तावेज अंकसूची एवं पासपोर्ट में मेरा नाम मुर्शरफ अली (Musharaf Ali) है। मैं मेरे आधारकार्ड पेनकार्ड वोटरकार्ड में मेरा नाम मुर्शरफ अली (Musarraf Ali) है जिस कारण से मेरे सभी दस्तावेजों में नामों में भिन्नता हो गई है जिस कारण मुझे नवीन पासपोर्ट रिनुवल कराने में असुविधा हो रही है मैं अपने नामों का प्रकाशन म.प्र. के राजपत्र में प्रकाशन कराना चाहता हूं।

यह कि मेरे द्वारा वर्तमान में मुर्शरफ अली (Musharaf Ali) के नाम से जाना जाता हूं तथा मेरे द्वारा अब इसी नाम मुर्शरफ अली (Musharaf Ali) पुत्र श्री मुजज्फर अली निवासी वार्ड क्रमांक 20 कला मंदिर के पास टोरी सिरोंज, जिला विदिशा म.प्र. का उपयोग किया जावेगा। एवं मेरे पूर्व पासपोर्ट में पता और वर्तमान पासपोर्ट में पता भी एक ही है। सिर्फ गली का नाम ही बदला गया है।

दिनांक 30/06/2026

मुर्शरफ अली पुत्र श्री मुजज्फर अली
निवासी वार्ड क्र. 20 कला मंदिर
के पास टोरी मोहल्ला सिरोंज
जिला-विदिशा म.प्र.
मो.नं. 9926392349

न्यूज विंडो

डेढ़ लाख रुपये के अवैध गांजे के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

धार। मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाई जा रही विशेष मुहिम के तहत धरमपुरी पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने घेराबंदी कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से करीब डेढ़ लाख रुपये मूल्य का अवैध गांजा बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार, यह पूरी कार्रवाई एसपी सचिन शर्मा के निर्देशन एवं अनुविभागीय अधिकारी ब्रजेश कुमार मालवीय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी धरमपुरी निरीक्षक संतोषसिंह यादव के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा की गई। पुलिस को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि भुरियाकुआं-बीरमपुरा रोड पर एक व्यक्ति पीले रंग की यूरिया की थैली में अवैध गांजा लेकर उसे बेचने की फिराक में खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिना वक्त गंवाए मौके पर पहुंचकर चारों तरफ से घेराबंदी की और संदिग्ध को दबोच लिया। थाना प्रभारी संतोषसिंह यादव ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान महेश (38 वर्ष), पिता राजाराम चौहान, जाति भीलाला, निवासी भुरियाकुआं के रूप में हुई है। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से 7.782 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1.5 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने नशीले पदार्थ को विधिवत जब्त कर आरोपी के खिलाफ थाना धरमपुरी में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की विवेचना की जा रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

धार। महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत सागौर थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, बीते 20 जून को पीड़िता के पिता ने सागौर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग बेटी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी सचिन शर्मा के निर्देशन में तत्काल एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया और बालिका की तलाश शुरू की गई। सागौर थाने के उप निरीक्षक प्रकाश सरोदे ने बताया कि पुलिस टीम ने लगातार प्रयास करते हुए 29 जून को नाबालिग बालिका को आरोपी बंटी (24 वर्ष), पिता मुकेश चौहान, निवासी मोतीनगर सागौर के कब्जे से सकुशल बरामद कर लिया। बालिका को दस्तयाब करने के बाद जब पुलिस ने नियमानुसार उसके बयान दर्ज किए, तो पीड़िता ने बताया कि आरोपी बंटी उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था और उसने उसके साथ बलात्कार किया। पीड़िता के बयानों के आधार पर पुलिस ने मामले में तत्काल धाराएं बढ़ाते हुए आरोपी बंटी चौहान को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

तेंदूखेड़ा के साप्ताहिक बाजार में पुलिस की मुस्तैदी से दिखी बेहतर व्यवस्था

तेंदूखेड़ा। नगर में आयोजित साप्ताहिक बाजार के दौरान पुलिस प्रशासन की सक्रियता के चलते मुख्य मार्ग पर यातायात एवं बाजार व्यवस्था पहले की अपेक्षा काफी बेहतर रही। उल्लेखनीय है कि गत मंगलवार को मुख्य मार्ग पर चाकूबाजी की घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। इस गंभीर घटना के बाद बाजार की सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर स्थानीय नागरिकों में चिंता का माहौल था। पिछले दिनों इस संबंध में एसडीओपी अर्चना अहीर ने आश्वस्त किया था कि आगामी साप्ताहिक बाजार में व्यवस्था में व्यापक सुधार देखने को मिलेगा। उनके निर्देशों के अनुरूप मंगलवार को पुलिस बल ने बाजार क्षेत्र में विशेष व्यवस्था लागू की, जिसका सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। पुलिस ने मुख्य मार्ग पर यातायात को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की और अनावश्यक भीड़ एवं जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं होने दी। इसके साथ ही सड़क तक फैले अतिक्रमण पर भी प्रभावी कार्रवाई की गई। बाजार में लगने वाले ठेले एवं दुकानदारों को निर्धारित सीमा के भीतर ही दुकानें लगाने के निर्देश दिए गए, जिससे मुख्य मार्ग अवरुद्ध नहीं हुआ और आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिली। बाजार क्षेत्र में पुलिस की नियमित गश्त एवं निगरानी के कारण पूरे समय सुरक्षा का माहौल बना रहा। यातायात व्यवस्था सुचारु रहने से खरीदारी के लिए आए लोगों को भी राहत मिली।

कलेक्टर ने की कार्रवाई: टानगा के पटवारी जितेंद्र बिरथरिया निलंबित

टीकमगढ़। टीकमगढ़ में रेत के अवैध उत्खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई की है। कलेक्टर विवेक श्रुति ने जतारा जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत टानगा के पटवारी जितेंद्र बिरथरिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई उस समय की गई जब सोशल मीडिया पर ग्राम टानगा क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन का वीडियो वायरल हुआ और जांच में संबंधित पटवारी की गंभीर लापरवाही सामने आई। गौरतलब है कि जिले में मानसून अवधि के दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं शासन के निर्देशों के तहत 20 जून से 30 सितंबर तक सभी रेत खदानों एवं रेत धारित नदी-नालों के घाटों पर खनन कार्य पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। इसके बावजूद जिले के कुछ क्षेत्रों से अवैध रेत उत्खनन की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि तहसीलदार जतारा ने अपने प्रतिवेदन में उल्लेख किया है कि ग्राम टानगा में अवैध रेत उत्खनन से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस मामले में संबंधित हल्का टानगा के पटवारी जितेंद्र बिरथरिया ने अब तक अवैध उत्खनन के संबंध में कोई प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया। साथ ही उन्होंने इस संबंध में राजस्व निरीक्षक को भी कोई जानकारी नहीं दी। आदेश में कहा गया है कि पटवारी द्वारा अवैध उत्खनन की सूचना लिखित रूप से प्रस्तुत नहीं करना, उनके पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही एवं उदासीनता को दर्शाता है। प्रशासन ने इसे गंभीर कर्तव्यहीनता मानते हुए संबंधित पटवारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव तैयार किया।

पर्यटकों को जंगल सफारी के लिए एक अक्टूबर तक करना पड़ेगा इंतजार

टाइगर रिजर्व का कोर एरिया तीन महीने के लिए हुआ बंद

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के कोर एरिया को आज 1 जुलाई से अगले तीन महीनों के लिए पर्यटकों के लिए पूरी तरह से बंद किया जा रहा है। वन विभाग द्वारा जारी आधिकारिक दिशा-निर्देशों के अनुसार यह प्रतिबंध 30 सितंबर तक प्रभावी रहेगा, जिसके बाद अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में कोर क्षेत्र को पुनः पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। हालाकि, निर्देशों में यह खुलासा नहीं किया गया है कि अन्य सेंच्युरी, रिजर्व और पार्क की तरह यहां बफर जोन में पर्यटकों के लिए जंगल सफारी की गतिविधियां संचालित रहेंगी या नहीं।

इस वार्षिक क्लोजर या तीन महीने की बंदी के पीछे कई महत्वपूर्ण पर्यावरणीय, जैवीय और प्रशासनिक कारण निहित हैं। मानसून की दस्तक के साथ ही जंगलों में वन्यजीवों का मुख्य प्रजनन काल शुरू हो जाता है। यह समय बाघों, तेंदुओं सहित अन्य दुर्लभ वन्यजीवों के वंश वृद्धि और उनके नवजात शावकों के पालन-पोषण के लिए सबसे संवेदनशील और अनुकूल माना जाता है। इस दौरान वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास में मानवीय हस्तक्षेप को न्यूनतम रखना अत्यंत आवश्यक होता है, ताकि वे बिना किसी तनाव, शोर या भय के शांत और सुरक्षित वातावरण में विचरण कर सकें। सफारी वाहनों का शोर और इंसानी आवाजाही उनके स्वाभाविक व्यवहार और नाजुक प्रजनन चक्र में बाधा डाल सकती है, इसलिए जैवीय दृष्टिकोण को सर्वोपरि रखते हुए यह तीन महीने की बंदी हर साल लागू की जाती है। पर्यावरणीय और प्राकृतिक कारणों की बात करें तो वर्षाकाल में संपूर्ण टाइगर रिजर्व, इससे जुड़ी सेंचुरी और नेशनल पार्क क्षेत्रों की जैव विविधता को एक नया जीवन मिलता है। मानसून के दौरान जंगलों में प्राकृतिक रूप से वनस्पतियों, घास के मैदानों और जलस्रोतों का तेजी से कायाकल्प होता है और पूरा क्षेत्र घनी मनमोहक हरियाली से आच्छादित हो जाता है। कोर एरिया के भीतर की कच्ची सड़कें और सफारी ट्रैक भारी बारिश के कारण अत्यधिक कीचड़ और दलदल में तब्दील हो जाते हैं। ऐसी दुर्गम स्थिति में वहां भारी वाहनों का परिचालन न केवल पर्यटकों की सुरक्षा के लिहाज से बेहद जोखिम भरा होता है, बल्कि - वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास, मिट्टी के कटाव और जंगलों के प्राकृतिक जल निकासी तंत्र को भी भारी नुकसान पहुंचाता है। प्रकृति को स्वयं को पुनर्जीवित करने का अवसर देने के लिए इस पर्यावरणीय विश्राम की नितांत आवश्यकता होती है इसके अतिरिक्त, कुछ महत्वपूर्ण प्रशासनिक और सुरक्षात्मक कारण भी इस निर्णय का मुख्य आधार हैं। बारिश के दिनों में घने जंगलों के भीतर गश्त करना वनकर्मियों के लिए एक बड़ी भौगोलिक चुनौती होती है। सैलानियों की अनुपस्थिति में वन विभाग की सुरक्षा टीमें पूरी तरह से वन्यजीवों की सुरक्षा, मानसून गश्त और अवैध शिकार विरोधी अभियानों पर अपना ध्यान केंद्रित कर पाती हैं।

गुणावद ओवरब्रिज पर दर्दनाक हादसा

बाजार से लौट रही स्कूटी सवार महिला को ट्रक ने मारी टक्कर, मौत

ट्रक का पिछले पहिए की चपेट में आई महिला, परिवार बाल-बाल बचा

धार। दोपहर मेट्रो

सादलपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुणावद रेलवे ओवरब्रिज पर एक सड़क हादसे में 30 वर्षीय महिला की दर्दनाक मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रही स्कूटी को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला सड़क पर गिर गई और ट्रक के पिछले पहिए की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।, स्कूटी चला रहा देवर और उसका 10 वर्षीय मासूम बेटा बाल-बाल बच गए।

जानकारी के अनुसार, आंबापुरा की रहने वाली जमनाबाई पति सुभाष मकवाना अपने 10 वर्षीय बेटे कान्हा और देवर वकील मालवी के साथ बाजार आई हुई थीं। बाजार से घरेलू सामान की खरीदारी करने के बाद तीनों स्कूटी से वापस घाटाबिल्लौद लौट रहे थे। इसी दौरान गुणावद रेलवे ओवरब्रिज पर पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित और तेज गति ट्रक ने उनकी स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर लगते ही स्कूटी का संतुलन बिगड़ गया। जमनाबाई सड़क के बीचों-बीच जा गिरीं, जिसके कारण वे ट्रक के पहिए के नीचे आ गईं। हादसे में उनके सिर पर गंभीर चोट आने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, स्कूटी चला रहे वकील मालवी और मासूम कान्हा दूर जा गिरे, जिससे उन्हें मामूली चोटें आईं और उनकी जान बच गई।

अस्पताल पहुंचने से पहले थमी सांसें

घटना के तुरंत बाद राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस और 108 एंबुलेंस को दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस पायलट अंबाराम मंडलोई तुरंत मौके पर पहुंचे और लहूलुहान अवस्था में महिला को जिला अस्पताल ले गए। हालांकि, वहां परीक्षण के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी रूम में रखवा दिया है, जिसे बुधवार को पीएम के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। सादलपुर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर दुर्घटना का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

उठने लगे तीखे सवाल

राम मंदिर के नाम पर जुटाया गया चंदा आखिर पहुंचा कहां?

शहडोल। दोपहर मेट्रो

शहडोल संभाग में इन दिनों भाजपा कार्यकर्ताओं और आम लोगों के बीच एक सवाल तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है कि राम मंदिर निर्माण के नाम पर घर-घर जाकर जो चंदा एकत्र किया गया था, वह पूरी पारदर्शिता के साथ मंदिर निर्माण तक पहुंचा भी या नहीं? क्षेत्र में यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस अभियान का विस्तृत हिसाब-किताब सार्वजनिक किया जाना चाहिए। कई लोगों का कहना है कि उन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिए श्रद्धापूर्वक सहयोग दिया था, लेकिन आज तक उन्हें यह जानकारी नहीं मिल सकी कि उनके क्षेत्र से कितनी राशि एकत्र हुई और उसका अंतिम उपयोग कहां हुआ। राजनीतिक गलियारों में भी इस मुद्दे को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं सुनाई दे रही हैं। कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि यदि सब कुछ पारदर्शी है तो फिर संग्रहित राशि का जिला एवं संभागवार ब्यौरा सार्वजनिक करने में हिचकिचाहट क्यों है? हालांकि, किसी भी व्यक्ति, संगठन या संस्था के विरुद्ध कोई आधिकारिक जांच रिपोर्ट या निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं हुआ है। फिर भी क्षेत्र में उठ रहे सवालों ने लोगों का ध्यान इस मुद्दे की ओर आकर्षित किया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आस्था और जनसहयोग से जुड़े किसी भी अभियान में पारदर्शिता ही विश्वास की सबसे बड़ी आधारशिला होती है। ऐसे में यदि संबंधित संस्थाएं स्वयं आगे आकर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक करें तो तमाम अटकलों और चर्चाओं पर विराम लग सकता है। अब देखना यह है कि शहडोल संभाग में उठ रहे इन सवालों का जवाब कौन देता है और कब तक लोगों को उनके सहयोग राशि का पूरा हिसाब मिल पाता है।

श्री गणेश देवस्थानम के स्वास्थ्य शिविर में 135 मरीज लाभान्वित

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती चेरिटेबल ट्रस्ट से संचालित शंकराचार्य नेत्रालय द्वारा श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में निःशुल्क नेत्र जांच व परामर्श शिविर में 135 जरूरतमंद लाभान्वित हुए। श्री द्वारका पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी की प्रेरणा से सिद्धपीठ के संस्थापक स्व. कृष्ण कुमार जी पुरोहित की पुण्य स्मृति में उक्त सेवा शिविर गणनायक फाउंडेशन ने आयोजित किया। नेत्रालय स्टॉफ के भाग्यवान तिवारी (केम्प प्रभारी), गौरव रैकवार, नीलेश जाट, अजय गिरदौनिया का विशेष योगदान रहा। शिविर में मोतियाबिन्द के 40 मरीज मिले। इनमें से 16 ने ऑपरेशन करने की सहमति दी जिन्हे नेत्रालय द्वारा बस सेवा से झोंतेश्वर अस्पताल ले जाकर उपचार व आपरेशन किया जाएगा। जहां लेंस, चश्मा, भोजन सहित आवागमन निःशुल्क रहेगा। आगुतकों का स्वागत व आभार प्रदर्शन आयोजन के प्रमुख सूत्रधार सुशान्त पुरोहित ने किया। पूर्व में भगवान गजानन का पावन अभिषेक आचार्य कृष्णकांत उदेनिया, पं संजय शर्मा ने किया। प्रतिष्ठित गणनायक पत्रकारिता अलंकरण संतोष पाठक व सतीश दुबे को फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती रमा पुरोहित ने प्रदान किया। पुण्य स्मृति को अक्षुण बनाए रखने के लिए नारियल का पौधा भी रोपा गया।

तेंदूखेड़ा तहसील न्यायालय परिसर में पेशी के दौरान महिला और वकील के बीच विवाद, जमकर हुई बहस

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तहसील न्यायालय तेंदूखेड़ा में मंगलवार को एक प्रकरण की पेशी के दौरान एक महिला और अधिवक्ता के बीच तीखी नोकझोंक का मामला सामने आया। विवाद इतना बढ़ गया कि पेशी समाप्त होने के बाद दोनों पक्षों के बीच कथित रूप से हाथापाई की स्थिति भी निर्मित हो गई। घटना के दौरान न्यायालय परिसर में बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने पूरा घटनाक्रम देखा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तहसीलदार न्यायालय में चल रहे एक भूमि संबंधी प्रकरण की सुनवाई के दौरान पक्षकार महिला मीना साहू और विरोधी पक्ष के अधिवक्ता बी.के. चौबे के बीच बहस हो गई। बताया जाता है कि सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के बीच तीखे शब्दों का आदान-प्रदान हुआ। इसके बाद पेशी समाप्त होने पर महिला अधिवक्ता के पास पहुंची, जहां दोनों के बीच विवाद और बढ़ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद हाथापाई तक पहुंच गया, जिससे न्यायालय परिसर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

महिला मीना साहू का आरोप है कि वह अपनी जमीन से जुड़े मामले में स्वयं पैरवी कर रही हैं क्योंकि उनकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वे अधिवक्ता की सेवाएं ले सकें। उनका कहना है कि सुनवाई के दौरान विरोधी पक्ष के अधिवक्ता ने उनके प्रति आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया, जिसके चलते विवाद की स्थिति बनी। वही एडवोकेट बी के चौबे का कहना है कि यह जरूर है मैं आपे से बाहर हो गया था लेकिन बदतमीज मैं नहीं हूँ पहले महिला ने न्यायालय में मेरे साथ अपशब्दों का प्रयोग किया था मैंने रिपोर्ट कर दी है।

घटना की पुष्टि करते हुए तहसीलदार विवेक व्यास ने बताया कि सुनवाई के दौरान उनके समक्ष दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी और दोनों ओर से आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। उन्होंने बताया कि स्थिति को देखते हुए तत्काल पुलिस को सूचना दे दी गई। इसके बाद 112 भी तहसील कार्यालय पहुंची अब मामले की आगे की जांच और आवश्यक कार्रवाई पुलिस द्वारा की जाएगी।

मेट्रो एंकर

जनसुनवाई: समस्याओं को लेकर आए कई आवेदन, कई का मौके पर निराकरण

महिलाओं ने लगाई सीसी सड़क और नाली निर्माण की गुहार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जनसुनवाई में नगर परिषद के वार्ड क्रमांक-1 स्थित केवट मोहल्ला की महिलाओं ने वर्षों से चली आ रही सड़क और जलभराव की समस्या को लेकर प्रशासन के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। महिलाओं ने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर शिव मंदिर से लगी कच्ची गली में सीसी सड़क एवं नाली निर्माण कराने की मांग की। आवेदक सरस्वती केवट, पति अरविंद केवट, के नेतृत्व में पहुंचीं महिलाओं ने बताया कि वे शिव मंदिर से लगी कच्ची गली में निवास करती हैं।

बरसात के दिनों में सड़क पर पानी भर जाने से लोगों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो जाता है। विशेष रूप से स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कीचड़ और जलभराव के कारण दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। महिलाओं का कहना था कि इस समस्या के समाधान के लिए वे कई बार नगर परिषद में आवेदन एवं शिकायत कर चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। सड़क आज भी कच्ची है और वहां जल निकासी के लिए नाली की व्यवस्था नहीं होने से प्रत्येक वर्ष बरसात में स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। ज्ञापन के माध्यम से महिलाओं ने मांग की कि शिव मंदिर से लगी कच्ची गली का शीघ्र सीसी सड़क निर्माण कराया जाए तथा दोनों ओर पक्की नालियों का निर्माण कर जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके। जनसुनवाई के दौरान वंदना केवट, रजनी केवट, लक्ष्मी केवट और पुष्पा केवट सहित अन्य महिलाओं ने भी अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं और जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की। महिलाओं ने उम्मीद जताई कि प्रशासन उनकी वर्षों पुरानी समस्या का शीघ्र समाधान कराएगा, जिससे बरसात के मौसम में उन्हें होने वाली परेशानियों से निजात मिल सके। नगर परिषद तेंदूखेड़ा के उपयंत्री भूपेंद्र सिंह ने बताया कि लगभग एक सप्ताह पूर्व कुछ महिलाओं ने उन्हें इस समस्या से अवगत कराया था। उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर जलभराव की समस्या है, वहां तक कोई बड़ा वाहन या निर्माण संबंधी मशीनरी नहीं पहुंच सकती, जिससे कार्य कराने में तकनीकी कठिनाई आ रही है। इसके अलावा पानी की निकासी का भी फिलहाल कोई आसान विकल्प उपलब्ध नहीं है। उपयंत्री ने बताया कि वे स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के बाद स्थिति का आकलन कर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी तथा समस्या के समाधान के लिए जो भी संभव होगा, उसके संबंध में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिवाली छोड़ी, छुट्टियां छोड़ीं...

वैभव सूर्यवंशी की क्रिकेट वाली सनक की कहानी पहली बार सामने आई

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 खत्म हुआ, तो एक 15 साल का लड़का भारतीय क्रिकेट की सबसे बड़ी चर्चा बन चुका था। उसके बल्ले से निकले 776 रन, 72 छक्के और ऑरेंज कैप ने दुनिया को चौंका दिया। बड़े-बड़े अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज उसके सामने बेबस नजर आए और क्रिकेट विशेषज्ञ उसे भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सितारा बताने लगे. ... लेकिन शायद दुनिया ने वैभव सूर्यवंशी की कहानी का सिर्फ आखिरी अध्याय देखा। उस किताब के शुरुआती पन्नों पर न कोई कैमरा था, न तालियां और न ही कोई ऑरेंज कैप। वहां सिर्फ पसीना था, अनुशासन था और क्रिकेट के लिए ऐसी जिद, जिसने एक किशोर की जिंदगी ही बदल दी। राजस्थान रॉयल्स के टीम मैनेजर रोमी भिंडर ने पहली बार वैभव के बारे में कुछ ऐसे किस्से साझा किए हैं, जो बताते हैं कि महान पारियां सिर्फ मैच के दिन नहीं बनतीं, उनकी नींव बहुत पहले रखी जाती है।

जश्न बाद में... पहले पिच

इसी साल फरवरी में जब अंडर-19 विश्व कप खत्म हुआ। लंबे टूर्नामेंट की थकान थी। हर किसी को लग रहा था कि अब खिलाड़ी कुछ दिन परिवार के साथ समय बिताएंगे, दोस्तों से मिलेंगे और शरीर को आराम देंगे। रोमी भिंडर भी यही सोच रहे थे। लेकिन जैसे ही वैभव हरारे से मुंबई पहुंचे, उन्होंने ऐसा जवाब दिया जिसकी शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। भिंडर ने समझाया- %दो-तीन दिन आराम कर लो। %लेकिन वैभव नहीं माने। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा- %सिर्फ आधा घंटा...% शायद उन्हें भी पता था कि वह आधा घंटा सिर्फ अभ्यास नहीं, बल्कि अगले सपने की शुरुआत है। अगर कोई एक घटना वैभव की सोच को सबसे बेहतर तरीके से समझाती है, तो वह दिवाली की है। पूरा देश रोशनी के त्योहार की तैयारी कर रहा था। घरों में मिठाइयां थीं। परिवार एक-दूसरे का इंतजार कर रहे थे। लेकिन वैभव ने घर लौटने की बजाय नेट्स का रास्ता चुना। समस्तीपुर में परिवार उनका इंतजार कर रहा था, मगर उन्होंने त्योहार भी ट्रेनिंग के साथ बिताया। 15 साल की उम्र में यह फैसला आसान नहीं होता। ... लेकिन शायद यही वे फैसले हैं, जो साधारण खिलाड़ियों और असाधारण खिलाड़ियों के बीच फर्क पैदा करते हैं। लोग छक्के गिनते रहे... वह घंटे गिनता रहा। दुनिया ने आईपीएल में उसके 72 छक्के गिने। 776 रन का आंकड़ा देखा। ऑरेंज कैप देखी। लेकिन शायद किसी ने यह नहीं देखा कि इन आंकड़ों की शुरुआत उन दिनों हुई थी, जब बाकी लोग छुट्टियां मना रहे थे और वैभव नेट्स में गेंदें खेल रहे थे। जब दूसरे खिलाड़ी आराम तलाश रहे थे, तब वैभव अभ्यास के लिए रोशनी जलवाने की जिद कर रहे थे। क्रिकेट में प्रतिभा आपको दरवाजे तक पहुंचा सकती है। लेकिन दरवाजा खोलने का काम सिर्फ मेहनत करती है। रोमी भिंडर क्यों कह रहे हैं। वह महान खिलाड़ी बनेगा। राजस्थान रॉयल्स के टीम मैनेजर रोमी भिंडर का वैभव पर भरोसा किसी एक पारी की वजह से नहीं है। उन्होंने वैभव को उन दिनों में देखा है, जब कैमरे बंद थे। उन्होंने उसे जीत के अगले दिन भी नेट्स मांगते देखा है। उन्होंने उसे त्योहारों से ज्यादा ट्रेनिंग को महत्व देते देखा है।

आयरलैंड टू इंग्लैंड ...सवाल जस का तस

कसौटी पर टीम मैनजेमेंट.... वैभव और उसका संयोजन

टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला आज खेला जाएगा।आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली हार के बाद भारतीय टीम मैनजेमेंट का सिरदर्द बढ़ गया है।मजेदार बात यह है कि एक बार फिर चर्चा जीत-हार से ज्यादा इस बात पर है कि वैभव सूर्यवंशी को मौका कब मिलेगा।वैसे तो युवा विस्फोट वैभव सूर्यवंशी के भारतीय टीम में चयन के बाद से ही टीम मैनेजमेंट कसौटी पर है,लेकिन आयरलैंड से मिली करारी शिकस्त ने मैनजेमेंट को एक बार फिर कटघरे में खड़ा कर दिया है।दरअसल मैनजेमेंट का टीम संयोजन की लेकर लिया गया फैसला और फिर आयरलैंड जैसी टीम से मिली क्लीन स्वीप की वजह से ही मैनजेमेंट पर उंगलियां उठ रही हैं।अब सवाल यह है कि क्या सिर्फ वैभव सूर्यवंशी को एकादश में शामिल न किये जाने की वजह से इतनी करारी शिकस्त हुई है।अगर वैभव सूर्यवंशी की मौजूदगी में भी टीम को मुंहकी खानी पड़ती तो फिर आलोचकों के निशाने पर कौन होता।मतलब साफ है कि मेरा नजरिया इस मामले में थोड़ा हटकर असल में यह है कि टीम चयन जितना आसान लग रहा है,उतना ही कठिन भी है।वजह एकदम साफ है कि वर्ल्ड चैंपियन टीम के टॉप आर्डर से छेड़खानी के दोनों ही पहलू मैनेजमेंट के लिए हाल फिलहाल में परेशानी का सबब बने हुए हैं।एक तो यही है जो सबके सामने है और दूसरा वह होता जब वैभव किसी चैंपियन बल्लेबाज की जगह एकादश में होते व सीरीज का रिजल्ट फिर भी यही होता।अगर ऐसा हो जाता तब भी मैनजेमेंट को शायद चयन पर इतनी ही खरी खोटी सुनना पड़ती।जो भी हो फिर भी टीम इंडियाऔर इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज की शुरुआत में भी एक बार फिर चर्चा इस बात पर है कि वैभव सूर्यवंशी को इसमें मौका मिलेगा या नहीं।वैसे मेरी सोच यह है कि ऐसा नहीं है कि वैभव को एकादश में जगह मिलना असंभव है।अगर वाकई मैनजेमेंट को एकादश में फिट करना चाहे तो बस उसके लिए उसको टीम संयोजन के गणित बदल कर 6 बल्लेबाज फॉर्मूले पर दांव खेलना होगा।वैसे भी जब आयरलैंड की सीरीज में खेले गए 2 मुकाबलों में आलराउंडर की व गेंदबाज की अदला बदली से मैच के रिजल्ट पर कोई फर्क नहीं पड़ा तो फिर इंग्लैंड में नया फार्मूला क्यों नहीं आजमाया जा सकता है।अगर टीम मैनजेमेंट बल्लेबाजी की गहराई 1 आलराउंडर की जगह बल्लेबाज को शामिल कर धमाकेदार बनाने का प्रयोग करती है तो फिर युवा सनसनी को भी मौका मिल जायेगा और इसके लिए टीम मैनजेमेंट को टॉप आर्डर के किसी चैंपियन बल्लेबाज के साथ भी कोई नाइंसाफी भी नहीं करना पड़ेगी।बस इस फॉर्मूले को अमली जामा पहनाने के लिए वैभव को एकादश में शामिल कर टीम का बल्लेबाजी क्रम बदलना होगा।भले ही हेड कोच गौतम गंभीर की अगुआई वाले टीम प्रबंधन को यह लगता हो कि सैमसन और अभिषेक की जोड़ी का कोई सानी नहीं है,लेकिन सच तो यह है कि उनका नजरिया टीम संयोजन के फार्मूले से हटकर कोई प्रयोग करने की हिम्मत नही जुटा पा रहा है।वैसे भी जब टी20 वर्ल्ड कप काफी दूर हो तो विदेशी जमीन पर तरह तरह के प्रयोग करने में क्या नुकसान है।असल बात यह है कि जब कोई भी सीरीज अलग अंदाज की पिच और मैदानी डाइमेंशन पर खेली जा रही हो तो फिर मैनजेमेंट को भी थोड़ा हटकर अलग नजरिये से सोचना पड़ेगा।अब देखना यह दिलचस्प है कि टीम मैनजेमेंट अपने अड़ियल और एकसूत्रीय सोच को बदलकर कब,कैसे और कितना फेरबदल कर वैभव को मैदान पर उतारती है।खैर मैनजेमेंट के जहन में कौनसी योजना है यह तो 5 मैचों की सीरीज में पता चल ही जायेगा,लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि इंग्लैंड के साथ होने वाली पूरी टी20 सीरीज में कसौटी पर टीम मैनजेमेंट की सोच,वैभव और उसके संयोजन का फार्मूला ही रहने वाला है।

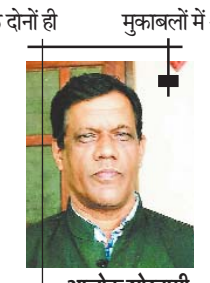

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

फीफा विश्व कप 2026, नॉकआउट में फ्रांस का शानदार प्रदर्शन

स्वीडन के खिलाफ 3-0 से जीता फ्रांस, एमबाप्पे ने दागे दो अहम गोल, राउंड-16 में बनाई जगह

ईस्ट रदरफोर्ड, एजेंसी

फ्रांस ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्वीडन को 3-0 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। टीम की जीत के नायक किलियन एमबाप्पे रहे, जिन्होंने दो गोल दागे। फ्रांस की ओर से तीसरा गोल ब्रैडली बारकोला ने किया। ग्रुप चरण के सभी मुकाबले जीतने के बाद फ्रांस ने नॉकआउट में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा।

मैच के पहले हाफ में फ्रांस ने पूरी तरह दबदबा बनाए रखा और लगातार स्वीडन के गोल पर हमले किए। पहले 45 मिनट में फ्रांस ने 15 शॉट लगाए। एमबाप्पे का एक गोल ऑफसाइड के कारण रद्द हो गया, जबकि उनका एक और प्रयास पोस्ट से टकरा गया। माइकल ओलीसे की शानदार ओवरहेड किक भी गोलपोस्ट से टकराकर बाहर चली गई।

एमबाप्पे ने दो गोल कर फ्रांस को दिलाई बढ़त

लगातार दबाव के बीच पहले हाफ के अतिरिक्त समय में एमबाप्पे ने शानदार गोल कर फ्रांस को बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ के 53वें मिनट में बारकोला ने बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद 74वें मिनट में एमबाप्पे ने अपना दूसरा गोल कर फ्रांस की 3-0 की जीत सुनिश्चित कर दी।

मैच में फ्रांस से आगे नहीं निकल सका स्वीडन

दूसरे हाफ की शुरुआत के बाद भी स्वीडन पर फ्रांस का दबदबा कायम रहा। फ्रांस लगातार स्वीडन के गोल पर हमले करता रहा। माइकल ओलीसे के शानदार पास पर ब्रैडली बारकोला ने पेनाल्टी बॉक्स के अंदर से बेहतरीन फिनिश करते हुए टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। इसके बाद स्वीडन के गोलकीपर जैकब विडेल ज़ेटरस्ट्रॉम ने जूल्स कुंडे और लगातार आक्रामक खेल दिखा रहे ओलीसे के कई प्रयासों को रोककर अपनी टीम को और बड़े अंतर से हारने से बचाया। मैच के 74वें मिनट में माइकल ओलीसे ने एक और शानदार असिस्ट दिया, जिस पर कप्तान किलियन एमबाप्पे ने शानदार गोल कर अपना दूसरा गोल पूरा किया। इस गोल के साथ एमबाप्पे के विश्व कप इतिहास में कुल 18 गोल हो गए, जबकि विश्व कप 2026 में यह उनका छठा गोल है। अब फ्रांस अंतिम-16 में 4 जुलाई को फिलाडेल्फिया स्टेडियम में पराग्वे का सामना करेगा, जहां एमबाप्पे के पास अपने गोलों की संख्या और बढ़ाने का मौका होगा।

मेसी के बाद दूसरे नंबर पर एमबाप्पे

इस मुकाबले के साथ एमबाप्पे के विश्व कप में कुल 18 गोल हो गए हैं। वह अब विश्व कप इतिहास के दूसरे सबसे सफल गोल स्कोरर बन गए हैं और शीर्ष पर मौजूद लियोनल मेसी से सिर्फ एक गोल पीछे हैं।

नार्वे ने आईवरी कोस्ट को दी शिकस्त, हालंद का गोल बना निर्णायक

डलास। नॉर्वे ने राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में आइवरी कोस्ट को 2-1 से हराकर फीफा विश्व कप के अगले दौर में जगह बना ली है। नॉर्वे के लिए एंटोनियो नूसा ने 39वें और एर्लिंग हालंद ने 86वें मिनट में गोल किया और टीम को जीत दिलाई। आइवरी कोस्ट के लिए अमाद दियालो ने 74वें मिनट में गोल कर बराबरी दिलाई थी, लेकिन हालंद के गोल ने अंतर पैदा किया और ये गोल अंत में निर्णायक साबित हुआ। इंजरी समय तक आइवरी कोस्ट ने गोल करने की कोशिश की, लेकिन नॉर्वे के गोलकीपर ने बराबरी नहीं दिलाने दी। इस तरह नॉर्वे राउंड ऑफ 16 में पहुंचने में सफल रहा। आइवरी कोस्ट और नॉर्वे के बीच राउंड ऑफ 32 मुकाबले की शुरुआत में दोनों टीमें गोल करने के लिए तमाम कोशिश कर रही थी। नॉर्वे के एर्लिंग हालंद ने तीसरे मिनट में ही गोल करने की कोशिश की, लेकिन गेंद गोल पोस्ट से दूर रही। इसके बाद आठवें मिनट में आइवरी कोस्ट के यान डियोमांडे ने भी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हुए।

नूसा ने दिलाई बढ़त

नॉर्वे ने पहले हाफ में गोल कर आखिरकार आइवरी कोस्ट पर बढ़त ली। नॉर्वे के लिए एंटोनियो नूसा ने शानदार गोल दागा और टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। दिलचस्प बात यह रही कि नॉर्वे के खिलाड़ी लगातार बढ़त बनाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन नूसा ने आखिरकार बढ़त दिलाई। पहले 38वें मिनट में हालंद ने कोशिश की और फिर एक मिनट बाद ओडेगार्ड ने प्रयास किया।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

श्रेया घोषाल का अनस्टॉपेबल टूर बना यादगार सफर

बोलीं-हर शहर से हमने काफी कुछ नया सीखा

मुंबई । मशहूर सिंगर श्रेया घोषाल इन दिनों अपने इंटरनेशनल म्यूजिक टूर अनस्टॉपेबल टूर% को लेकर चर्चा में हैं। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में हुए इस टूर के बाद श्रेया ने आईएएनएस से अपने अनुभव साझा किए और इसे अपने करियर के बड़े सफर की शुरुआत बताया। श्रेया घोषाल ने कहा, यह अनुभव सच में शानदार रहा। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का कॉन्सर्ट मेरे %अनस्टॉपेबल टूर का सबसे यादगार फेज रहा। ऑकलैंड, पर्थ, सिडनी और मेलबर्न, हर शहर में जबरदस्त एनर्जी, प्यार, अपनापन, हंसी और जश्न जैसा माहौल था। मुझे लगता है कि इस कॉन्सर्ट के साथ %अनस्टॉपेबल% और भी बेहतर हो गया है। हमने काफी कुछ नया सीखा है। श्रेया ने अपने टूर के दौरान हुए खास पलों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, %%हर शहर में शो में कुछ न कुछ सरप्राइज जरूर थे, जिसने दर्शकों और मुझे दोनों को ही हैरान और खुश कर दिया। कभी स्थानीय कलाकार स्टेज पर शामिल हुए, तो कभी दर्शकों में से ही किसी को परफॉर्म करने का मौका मिला, जिससे हर शो अलग और खास बन गया उन्होंने खास तौर पर सिडनी और मेलबर्न के अनुभव साझा किए। श्रेया ने बताया, सिडनी में मेरे गाने नगाड़ा संग ढोल के दौरान एक डांसर ने शानदार परफॉर्म किया, जिसने शो की एनर्जी को दोगुना कर दिया। वहीं मेलबर्न में एक महिला ढोल प्लेयर ने स्टेज पर आकर परफॉर्म किया। ऐसे में पूरा माहौल जोश से भर दिया। इन पलों में सबसे खास बात यह रही कि महिलाओं की भागीदारी ने शो को और भी मैजिकल बना दिया।

दर्शकों का परिवार हो रहा है बड़ा

उन्होंने कहा, %%हर शो के साथ मुझे ऐसा महसूस होता है कि मेरा दर्शकों का परिवार और बड़ा हो रहा है। यह सिर्फ एक म्यूजिक टूर नहीं है, बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव है, जो हर परफॉर्मेंस के साथ और गहरा होता जा रहा है। दर्शकों का प्यार और उनका साथ मुझे लगातार आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। श्रेया घोषाल ने कहा, %मैं इस पूरे सफर के लिए बेहद आभारी हूं, और मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे दुनिया भर में लोगों के साथ अपनी आवाज और संगीत साझा करने का मौका मिल रहा है।

मेट्रो बाजार

2030 तक भारत के वाटर सेक्टर में 20 लाख करोड़ के निवेश की संभावना

नई दिल्ली । भारत में वर्ष 2030 तक पानी की मांग उपलब्ध जल आपूर्ति से लगभग दोगुनी हो सकती है, और इस चुनौती से निपटने के लिए अगले दशक में 20 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की संभावना है। यह जानकारी पीएल कैपिटल की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, यह निवेश मुख्य रूप से जल शोधन (वाट ट्रीटमेंट), अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण (वेस्टवाटर रिसायक्लिंग) और सीवेज इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत दुनिया की लगभग 18 प्रतिशत आबादी का घर है, लेकिन उसके पास वैश्विक मीठे पानी के केवल 4 प्रतिशत संसाधन हैं। तेजी से बढ़ते शहरीकरण, औद्योगीकरण, भू-जल के अत्यधिक दोहन और कृषि में बढ़ती पानी की खपत के कारण देश में जल संकट लगातार गहराता जा रहा है। इसी वजह से अब जल सुरक्षा राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है और इसके लिए जल शोधन, वितरण, भंडारण और पुनर्चक्रण जैसी परियोजनाओं में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। पीएल कैपिटल के चीफ बिजनेस ऑफिसर (एडवाइजरी) विक्रम कसाट ने कहा कि अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों के विपरीत जल क्षेत्र में निवेश आर्थिक चक्र पर निर्भर नहीं है। उन्होंने कहा कि जल सुरक्षा से जुड़ा निवेश दीर्घकालिक, नीतिगत और टिकाऊ विकास के लिए अनिवार्य है। उनके अनुसार, बढ़ते शहरीकरण, उद्योगों के विस्तार और पर्यावरणीय मानकों के कड़े होने से जल शुद्धिकरण, जल पुनर्चक्रण, समुद्री जल को मीठा बनाने और पुनः उपयोग से जुड़ी परियोजनाओं में लंबे समय तक मजबूत मांग बनी रहेगी।

भारत के पर्यटन क्षेत्र को बढ़ाने के लिए व्यापार में आसानी और प्रोसेस को करना होगा सरल

नई दिल्ली। देश में पर्यटन की अपार संभावनाओं का प्रकाश डालते हुए नीति आयोग ने मंगलवार को एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें कहा गया कि भारत में पर्यटन को बढ़ाने के लिए व्यापार में आसानी और वीजा प्रक्रियाओं को सरल किया जाना चाहिए। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, आर्थिक योगदान और रोजगार के नजरिए से भारत का पर्यटन क्षेत्र बहुत अहम है। वित्त वर्ष 2023-24 में इस क्षेत्र ने भारत की जीडीपी में 15.73 लाख करोड़ रुपए (170 अरब डॉलर) का योगदान दिया, जो कुल अर्थव्यवस्था का 5.22 प्रतिशत है। साथ ही, इसने अनुमानित 8.46 करोड़ लोगों को रोजगार दिया, जो पिछले पांच वर्षों में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है।

नीति आयोग ने बताया कि घरेलू पर्यटन विकास का एक मुख्य कारण रहा है। 2024 में 2.9 अरब घरेलू पर्यटकों ने यात्राएं कीं, जो महामारी से पहले 2019 में दर्ज 2.3 अरब के उच्चतम स्तर से भी अधिक हैं।

भारत के पर्यटन स्थलों को दुनिया भर में पहचान मिली हुई है। देश में 44 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, 106 राष्ट्रीय उद्यान और 18 बायोस्फीयर रिजर्व हैं, साथ ही यहां तीर्थयात्रा और वेलनेस पर्यटन के स्थापित क्षेत्र भी मौजूद हैं। हाल के वर्षों में इंटरनेशनल टूरिज्म में भी सुधार हुआ है। 2024 में भारत में कुल मिलाकर लगभग 2 करोड़ से अधिक अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आए और इससे लगभग 35 अरब डॉलर की प्राप्तियां हुई, जो 2023 के मुकाबले 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। हालांकि, दुनिया भर में आने वाले इंटरनेशनल टूरिस्ट में भारत की हिस्सेदारी 1.5 प्रतिशत से भी कम है, जो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी कम है।

शादी से पहले लिव-इन में रहना जरूरी, बोलीं जीनत अमान, पूछा- दर्दभरी जिंदगी जीना चाहोगे?

जीनत अमान हिंदी सिनेमा की दिग्गज एक्ट्रेस हैं। अपने समय में वो बोल्ड और ग्लैमस हसीनाओं में शुमार की जाती थीं। 74 साल की जीनत अमान की सोच आज भी काफी मॉर्डन है। वो खुले दिल से अपनी शर्तों पर जिंदगी जीना पसंद करती हैं। जीनत अमान ने अब लोगों को शादी से पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की सलाह दी है। जीनत अमान रिलेशनशिप को लेकर अक्सर अपनी राय फैंस संग साझा करती हैं। उनका मानना है कि शादी से पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रहना जरूरी होता है। एक्ट्रेस का कहना है कि आज के समय में लिव-इन पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। शादी से पहले पार्टनर संग अपनी कंपैटिबिलिटी को समझना जरूरी है। अपने पुराने इंस्टाग्राम पोस्ट में भी वो शादी से पहले साथ रहने की सलाह दे चुकी हैं।

यूट्यूब चैनल फ्लिप द स्क्रिप्ट विद शुभ्रा संग बातचीत में इस बारे में बात करते हुए जीनत अमान ने कहा- आज के दौर में और अतीत में भी देखें तो कोई भी चीज हमेशा के लिए नहीं टिकती। कानूनी तौर पर शादी के बंधन में बंधने से पहले आपको कंपैटिबिलिटी चेक करनी चाहिए।

मेरा यही मानना है। आपको यह पता होना चाहिए कि क्या आप मेंटली और इमोशनली रूप से एक-दूसरे के लिए ठीक हैं या नहीं। अगर आप बच्चे पैदा करने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आप उन्हें कैसे पालोगे? पैसों को लेकर आपकी सोच क्या है? अगर दो लोगों के बीच कोई तालमेल ही नहीं है, तो फिर ऐसे रिश्ते का क्या फायदा? क्या आप 15 साल की मुश्किलों भरी जिंदगी के बजाय 5 साल की खुशहाल जिंदगी बिताना पसंद नहीं करेंगे?

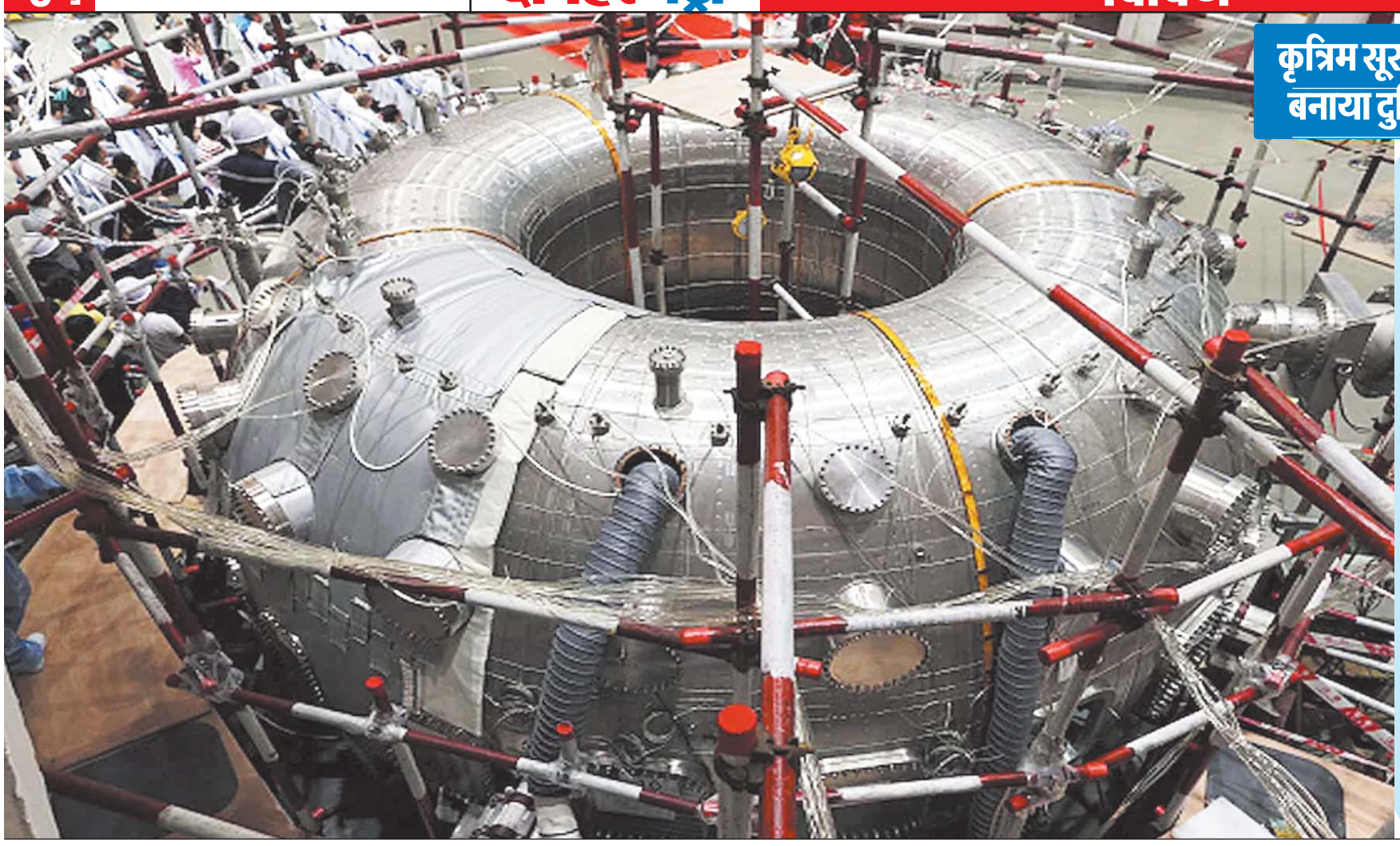

कृत्रिम सूरज को मिली ताकत, चीन ने बनाया दुनिया का सबसे बड़ा मैग्नेट

नई दिल्ली। चीन ने न्यूक्लियर फ्यूजन तकनीक में बड़ी सफलता हासिल की है। देश के वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल सन यानी कृत्रिम सूरज के लिए दुनिया का सबसे बड़ा सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट बनाया है। इसका सफल परीक्षण भी पूरा हो चुका है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इससे फ्यूचर में फ्यूजन एनर्जी विकसित करने की दिशा में मदद मिलेगी। आर्टिफिशियल सन एक ऐसी मशीन है, जिसमें सूरज की तरह एनर्जी बनाने की कोशिश की जाती है। इसमें बहुत गर्म गैस यानी प्लाज्मा बनाई जाती है। उसे नियंत्रित करने की कोशिश होती है, ताकि एनर्जी पैदा की जा सके। इसी तकनीक को न्यूक्लियर फ्यूजन कहा जाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर यह तकनीक सफल होती है, तो फ्यूचर में इससे बड़ी मात्रा में साफ एनर्जी बनाई जा सकती है। चीन ने इस मशीन के लिए दुनिया का सबसे बड़ा सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट तैयार किया है। इसका वजन 582 टन है। इसकी लंबाई 21 मीटर, चौड़ाई 12 मीटर और ऊंचाई 3.3 मीटर है। इस मैग्नेट का काम मशीन के अंदर मौजूद बहुत गर्म प्लाज्मा को एक जगह बनाए रखना है, ताकि वह मशीन की दीवारों से न टकराए। अगर ऐसा होता है, तो ऊर्जा बनाने की प्रक्रिया रुक सकती है। यह मैग्नेट अंतर्राष्ट्रीय फ्यूजन प्रोजेक्ट आईटीईआर में इस्तेमाल किए गए ऐसे ही मैग्नेट से करीब 1.3 गुना बड़ा है। इसमें तीन गुना ज्यादा एनर्जी जमा की जा सकती है। आगे चलकर ऐसे 16 मैग्नेट एक साथ लगाए जाएंगे।

अंबाला में भीषण सड़क हादसा

पैदल चल रहे तीन को गाड़ी ने कुचला मौके पर ही मौत

अंबाला, एजेंसी। हरियाणा के अंबाला के अंतर्गत मीठापुर में बुधवार सुबह एक भीषण हादसा हो गया। यहां सड़क किनारे चल रहे तीन लोगों को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंचीं और शव अपने कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी। हादसा इतना भयावह था कि शवों के टुकड़े सड़क पर बिखर गए। हादसे की खबर सुनकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे को लेकर पुलिस जांच में जुटी है। आरोपी की तलाश भी जारी है। इस खबर को लगातार अपडेट किया जा रहा है। हम अपने सभी पाठकों को पल-पल की खबरों से अपडेट करते हैं। हम लेटेस्ट और ब्रेकिंग न्यूज को तुरंत ही आप तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रारंभिक रूप से प्राप्त जानकारी के माध्यम से हम इस समाचार को निरंतर अपडेट कर रहे हैं। ताजा ब्रेकिंग न्यूज़ और अपडेट्स के लिए जुड़े रहिए जागरण के साथ।

पाकिस्तान के हमले में 28 लोगों की हुई थी मौत

अफगानिस्तान का पाकिस्तान को जवाब बलूचिस्तान में ISIS ठिकानों पर किए हमले

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह रूप लेता हुआ नजर आ रहा है। इसी बीच बुधवार को अफगानिस्तान की तालिबान सेना ने पाकिस्तान के सीमावर्ती इलाकों पर ताजा हवाई हमले किए। जानकारी के अनुसार अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में आईएसआईएस के ठिकानों पर हमले किए, जिसमें कई लोगों के घायल होने की खबर है। बता दें कि अभी हाल में ही पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के अंदर हवाई हमले किए थे। उस हमले में कम से कम 28 आम नागरिकों की मौत हो गई थी।अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह हमले बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में सक्रिय आतंकी संगठन 'इस्लामिक स्टेट खुरासान' (आईएसके) के ठिकानों पर किए गए। अफगानिस्तान का कहना है कि इन ठिकानों से अफगानिस्तान के आम नागरिकों पर हमलों की साजिश रची जा रही थी। अफगानिस्तान ने दावा किया कि उनके हमले बेहद सटीक थे, जिसमें आतंकियों को भारी नुकसान पहुंचा है और किसी भी आम नागरिक की जान नहीं गई है।

पाक ने 4 ड्रोनों को गिराया

दूसरी तरफ, पाकिस्तान की सेना ने कहा कि उसने सीमा पार से आए चार साधारण ड्रोनों को मार गिराया है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर आगे भी ऐसी कोई उकसावे वाली कार्रवाई हुई, तो इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच पिछले अक्टूबर में युद्धविराम हुआ था, जिससे कुछ महीनों तक शांति रही। लेकिन ताजा हमलों ने तनाव को फिर से बढ़ा दिया है। इससे पहले इसी साल फरवरी और जून में भी दोनों देशों के बीच भारी गोलाबारी और हवाई हमले हुए थे, जिसमें दोनों तरफ के दर्जनों लोग और आतंकी मारे गए थे।

रूस के मिसाइल-ड्रोन हमलों से दहला यूक्रेन

कीव। यूक्रेन में रूसी मिसाइलों और ड्रोन ने भारी तबाही मचाई। इन हमलों में कई लोगों की जान चली गई और 40 लोग घायल हुए। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने इन हमलों को भयानक बताया है और इसकी निंदा की है। रूस ने चार साल पहले यूक्रेन पर हमला शुरू किया था। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, इस युद्ध में अब तक 16,000 से ज्यादा यूक्रेनी नागरिक मारे जा चुके हैं। रूस लगातार यूक्रेन के बुनियादी ढांचे को नष्ट करने और लोगों का मनोबल तोड़ने की कोशिश कर रहा है। नीप्रो शहर में रूस की मिसाइल ने बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया। इस हमले में छह लोगों की मौत हुई और 29 लोग घायल हो गए। जापोरिज्जिया शहर में रूस के ड्रोन एक यात्री बस से टकरा गए। इस घटना में एक बच्चे समेत तीन लोगों की मौत हुई और छह लोग घायल हुए। सुमी इलाके में हुए ड्रोन हमलों ने एक बुजुर्ग महिला और एक पुरुष की जान चली गई।

पीओके में पाक के खिलाफ गूंजा जनाक्रोश

रावलकोट में हजारों लोग सड़कों पर उतरे, शासन और नीतियों पर उठे तीखे सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में एक बार फिर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। नियंत्रण रेखा के निकट स्थित रावलकोट के ईदगाह मैदान में हजारों लोग एकत्र हुए और पाकिस्तान सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों ने आर्थिक संकट, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में कथित बाधाओं और प्रशासनिक उपेक्षा को लेकर नाराजगी जताई। यह प्रदर्शन बीते कई सप्ताह से जारी आंदोलन का हिस्सा माना जा रहा है। संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी के नेता सरदार अम्मान खान ने सभा को संबोधित करते हुए पाकिस्तान सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की इच्छाओं और अधिकारों की अनदेखी की जा रही है। उनके भाषण के दौरान बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने नारे लगाए और अपने समर्थन का प्रदर्शन किया।

आपूर्ति रोकने के आरोप प्रशासन पर सवाल

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि आंदोलन को कमजोर करने के उद्देश्य से कुछ इलाकों में खाद्यान्न और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित की गई। उनका कहना है कि महिलाओं और बच्चों सहित कई लोग लगातार धरने पर बैठे हैं और प्रशासन उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रहा। दूसरी ओर, पाकिस्तानी प्रशासन ने आंदोलन को कानून-व्यवस्था और सुरक्षा से जुड़ा विषय माना है।

भीषण गर्मी से तप रहा यूएस

अमेरिका में छह करोड़ लोग प्रभावित, हीट अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

यूरोप के बाद अब अमेरिका भी भीषण गर्मी की चपेट में है। देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों में तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे करोड़ों लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार कई क्षेत्रों में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच सकता है, जबकि अधिक नमी के कारण महसूस होने वाला तापमान 46 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में कई शहरों में वर्षों पुराने तापमान के रिकॉर्ड टूट सकते हैं।

भीषण गर्मी को देखते हुए अमेरिका में छह करोड़ से अधिक लोगों के लिए हीट अलर्ट जारी किया गया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि गर्मी की यह लहर स्वतंत्रता दिवस के आसपास तक बनी रह सकती है। प्रशासन ने लोगों से दोपहर के समय घर से बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त पानी पीने और गर्मी से बचाव के सभी उपाय अपनाने की अपील की है। गर्मी के बढ़ते असर को देखते हुए कई शहरों में राहत केंद्र खोले गए हैं। शिकागो प्रशासन ने पूरे शहर में ठंडक केंद्र स्थापित किए हैं, जहां लोग कुछ समय बिताकर गर्मी से राहत पा सकते हैं। वहीं बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों का हालचाल जानने के लिए विशेष टीमें भी तैनात की गई हैं। न्यूयॉर्क में प्रशासन ने लोगों को मुफ्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए चलित जल वाहन शुरू किए हैं। इसके साथ ही विभिन्न स्थानों पर अस्थायी राहत केंद्र बनाए गए हैं, जहां ठंडी फुहार देने वाले पंखे और ठंडे तौलिए जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

स्वास्थ्य एजेंसियों ने लोगों को गर्मी से बचने के लिए कई जरूरी सलाह दी हैं। नागरिकों से लगातार पानी पीने, धूप में कम समय बिताने और हीट स्ट्रोक के शुरुआती लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेने को कहा गया है। अधिकारियों ने बच्चों को किसी भी स्थिति में बंद वाहन में अकेला न छोड़ने की भी चेतावनी दी है।

पीसीसी महासचिव निधि का दिग्गी पर हमला

दिग्विजय का नागपाश, कांग्रेस पर प्रहार...

भोपाल. दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की काँग्रेस की महासचिव और वरिष्ठ काँग्रेस नेता सत्यव्रत चतुर्वेदी की बेटी निधि सत्यव्रत चतुर्वेदी की फ़ेसबुक पोस्ट ने एमपी से दिल्ली तक हलचल मचा दी है। इस पोस्ट में उन्होंने प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए हमला बोला है। उनकी यह पोस्ट दिग्विजय की कार्यशैली और उज्जैन में उनके द्वारा ली गई प्रेस कॉन्फ्रेंस पर प्रहार है।

इसमें निधि ने शीर्षक दिया है - 'दिग्विजय का 'नागपाश', कांग्रेस पर प्रहारः अपनों के ही इस घातक बाण से कब मुक्त होगी मध्य प्रदेश कांग्रेस ?

निधि ने लिखा - उज्जैन के भूमि विवाद और वीर भारत न्यास के मामले में सच क्या है और झूठ क्या, कौन सही है और कौन गलत, यह जांच का विषय हो सकता है।

लेकिन एक बात जो मेरी समझ के बिल्कुल परे है और जिसे देखकर आज हर सच्चे कांग्रेसी का सिर शर्म से झुक गया है- वह यह है कि दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ नेता को अपने ही प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ इस तरह सार्वजनिक रूप से मोर्चा खोलने और अपशब्दों का इस्तेमाल करने की क्या ज़रूरत आन पड़ी? अगर जीतू पटवारी कहीं गलत भी थे, तो एक वरिष्ठ और मार्गदर्शक होने के नाते दिग्विजय सिंह जी उन्हें आमने-सामने बैठकर या फ़ोन करके बता सकते थे। उनके पास दिल्ली से लेकर भोपाल तक पार्टी के तमाम आंतरिक मंच उपलब्ध थे, जहाँ वे अपनी बात रख सकते थे। लेकिन इन सब मर्यादाओं को दरकिनार कर, हाथ में फ़ाइल लेकर, विशेष रूप से उज्जैन जाकर और प्रेस कॉन्फ़्रेंस बुलाकर पत्रकारों के सामने इस बात को उछालने का क्या औचित्य है?

दिग्विजय सिंह की यह छटपटाहट, यह गुस्सा और यह अमर्यादित आचरण और कुछ नहीं, बल्कि 'पुत्र-मोह' में उठाया गया एक बेहद अशोभनीय, पीड़ादायक और निंदनीय कदम है। अपने बेटे जयवर्धन सिंह को प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाने की महत्वाकांक्षा में वे भूल चुके हैं कि पार्टी का अनुशासन क्या होता है।

7 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी से मचा हड़कंप

चंडीगढ़, एजेंसी। चंडीगढ़ में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया जब शहर के सात प्रमुख स्कूलों को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। धमकी मिलने के बाद चंडीगढ़ पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने सभी स्कूलों में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया। एहतियात के तौर पर स्कूल परिसरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पुलिस कंट्रोल रूम के अनुसार सबसे पहले सेक्टर-31 स्थित एयर फोर्स स्कूल को धमकी भरा ई-मेल मिला।

मेट्रो एंकर

नई खोजों में केरल नंबर-1, पर्यावरण मंत्री ने जारी की एनिमल डिस्कवरीज

विज्ञान की दुनिया में पहली बार दर्ज हुईं 483 प्रजातियां

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की जैव विविधता (बायोडायवर्सिटी) का दायरा और बढ़ गया है। वर्ष 2025 के दौरान देश में 483 ऐसी जीव प्रजातियां खोजी गईं जिन्हें विज्ञान ने पहली बार दर्ज किया, जबकि 226 प्रजातियां ऐसी मिलीं जो पहली बार भारत में रिकॉर्ड की गईं। यानी कुल 709 नए जीवों के रिकॉर्ड देश के जैव विविधता डेटाबेस में जुड़े हैं। इसके साथ ही भारत में वैज्ञानिक रूप से दर्ज जीव-जंतुओं की कुल संख्या बढ़कर 1,05,953 हो गई है।

कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में मिली जानकारी- ये जानकारी मंगलवार को जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के 111वें स्थापना दिवस पर कोलकाता में आयोजित एनिमल टैक्सोनॉमी समिट-2026 के दौरान दी गई। इस मौके पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने एनिमल डिस्कवरीज-2025, प्लांट डिस्कवरीज-2025 और फौना ऑफ इंडिया चेकलिस्ट वर्जन 3.0 जारी की।

पैलियोइंडिया पोर्टल भी हुआ लॉन्च

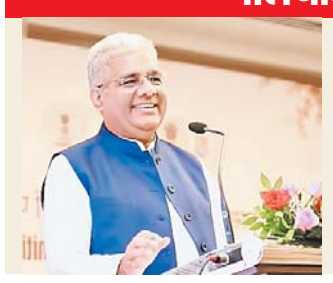

इस अवसर पर पैलियोइंडिया पोर्टल भी लॉन्च किया गया। इस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर देशभर में मिले 5,000 से अधिक जीवाश्म (फॉसिल) की जानकारी उपलब्ध होगी। इससे वैज्ञानिकों के साथ-साथ आम लोग भी जीवाश्मों और जैव विविधता से जुड़ी जानकारी आसानी से देख सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान जैव विविधता संरक्षण में पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक को जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित 111 घंटे के राष्ट्रीय हैकाथॉन के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया।

दुनिया के 17 सबसे जैव विविध देशों में शामिल भारत : केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि किसी भी जीव की पहचान और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण के बिना उसका संरक्षण संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि दुनिया के कुल भूभाग का केवल 2.4त्न हिस्सा भारत के पास है, लेकिन यहां दुनिया की 7-8त्न दर्ज प्रजातियां पाई जाती हैं। यही वजह है कि भारत दुनिया के 17 सबसे जैव विविध देशों में शामिल है।

मंत्री ने बताया कि केरल में सबसे ज्यादा 98 नई प्रजातियां, पश्चिम बंगाल में 76, कर्नाटक में 67 और अरुणाचल प्रदेश में 65 नई प्रजातियां दर्ज की गईं। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण की उपलब्धियां भी गिनाईं। उनके मुताबिक, 2014 के बाद देश में टाइगर रिजर्व की संख्या 47 से बढ़कर 58 हो गई है। एशियाई शेरों की संख्या 523 से बढ़कर 891 पहुंच गई है। वहीं, रामसर साइट्स 24 से बढ़कर 100 और ईको-सेंसिटिव जोन करीब 1,865 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 68,500 वर्ग किलोमीटर से अधिक हो गए हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564